

GS प्वाइन्टर 2

आधुनिक भारतीय इतिहास

आधुनिक भारतीय इतिहास

यूरोपीय कंपनियों का आगमन

- * वास्कोडिगामा, कालीकट तट पर पहुंचा — 1498 ई. में
- * पुर्तगाली उपनिवेश का प्रथम वायसराय भारत में था — फ्रांसिस्को द अल्मीडा
- * वास्कोडिगामा का कालीकट में स्वागत किया था — जमोरिन ने
- * सही सुमेलित है—

सूची—I (समुद्री यात्री)	सूची—II (देश)
वास्कोडिगामा	— पुर्तगाल
क्रिस्टोफर कोलम्बस	— स्पेन
कैप्टन कुक	— ग्रेट ब्रिटेन
तस्मान	— हॉलैंड
- * भारत में पुर्तगाली शक्ति का वास्तविक संस्थापक था — अल्बुकर्क
- * पुर्तगालियों ने भारत में प्रथम दुर्ग का निर्माण किया था — कोचीन में
- * मध्यकाल में सर्वप्रथम भारत से व्यापार संबंध स्थापित करने वाले थे — पुर्तगाली
- * भारत में प्रथमतः सामुद्रिक व्यापारिक केंद्र स्थापित किया — पुर्तगालियों ने
- * बंगाल की बांदेल, चिनसुरा, हुगली तथा श्रीरामपुर फैक्ट्रियों में से एक जो पुर्तगालियों द्वारा स्थापित की गई थी — हुगली
- * पांडिचेरी के संदर्भ में सही कथन है—
 - पांडिचेरी पर कब्जा करने वाली पहली यूरोपीय शक्ति पुर्तगाली थे
- * हुगली को बंगाल की खाड़ी में समुद्री लूटपाट के लिए अड्डा बनाया था — पुर्तगालियों ने
- * कलकत्ता का संस्थापक था — जॉब चारनॉक
- * भारत में यूरोपीय शक्तियों के प्रवेश के संदर्भ में सही कथन हैं—
 - अंग्रेजों ने अपना पहला कारखाना दक्षिण भारत में मछलीपट्टनम में लगाया; पूर्वी भारत में अंग्रेजी कंपनी ने 1633 ई. में उड़ीसा में पहला कारखाना लगाया; डूप्ले के नेतृत्व में फ्रांसीसियों ने 1746 ई. में मद्रास पर कब्जा किया था।
- * भारत के साथ व्यापार के लिए सर्वप्रथम संयुक्त पूंजी कंपनी आरंभ करने वाले लोग — डच
- * सही कथन है—
 - डचों ने पुर्तगालियों को पराजित किया और आधुनिक कोच्चि में उन्होंने फोर्ट विलियम्स का निर्माण किया।
- * भारत में ईस्ट इंडिया कंपनी की सफलता का राज था
 - भारत में राष्ट्रीय भावना की कमी; कंपनी की सेना को पश्चिमी प्रशिक्षण मिला था तथा उनके पास आधुनिक हथियार थे; भारतीय सैनिकों में राष्ट्रीय भावना का अभाव था जिसके फलस्वरूप कोई जो उन्हें अच्छा वेतन दे, अपनी सेवा में लगा सकता था।
- * ब्रिटिश कंपनियों में से भारत में व्यापार करने का पहला अधिकार-पत्र प्राप्त हुआ था — लीवेंट कंपनी को

सम-सांख्यिक घटना बक

- * लंदन में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के गठन के समय भारत का बादशाह था — अकबर
- * वह मुगल सम्राट जिसके शासनकाल में इंग्लिश ईस्ट इंडिया कंपनी ने भारत में सर्वप्रथम कारखाना स्थापित किया — जहांगीर
- * भारत में 1613 ई. में अंग्रेजों ने अपनी पहली फैक्टरी स्थापित की थी — सूरत में
- * वह अंग्रेज अधिकारी जिसने पुर्तगालियों को स्वाल्ली (Sowley) के स्थान पर हराया था — थॉमस बेस्ट
- * यूरोपीय व्यापारिक कंपनियों में से सूरत में सर्वप्रथम अपना कारखाना स्थापित किया — अंग्रेजों ने
- * ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी ने बंबई लिया था — पुर्तगालियों से
- * ईस्ट इंडिया कंपनी का गवर्नर जिसे औरंगजेब द्वारा भारत से निष्कासित किया गया — सर जॉन चाइल्ड
- * प्रथम कर्नाटक युद्ध का तात्कालिक कारण था — अंग्रेजों द्वारा फ्रांसीसी जहाजों का अधिग्रहण

* कर्नाटक युद्ध लड़ा गया

— अंग्रेज व फ्रांसीसी के मध्य

* सही सुमेलित है—

सूची-I

सूची-II

- | | | |
|-----------------------|---|-----------------------------|
| प्रथम कर्नाटक युद्ध | — | एक्स ला चैपल की संधि से अंत |
| द्वितीय कर्नाटक युद्ध | — | अनिर्णायक युद्ध |
| तृतीय कर्नाटक युद्ध | — | पेरिस की संधि से अंत |
| प्रथम मैसूर युद्ध | — | ब्रिटिश की हार |

- * प्रथम यूरोपियन व्यक्ति जिसने भू-क्षेत्र अर्जित करने के उद्देश्य से भारतीय राजाओं के झगड़ों में भाग लेने की नीति आरंभ की — डूप्ले
- * भारत में फ्रांसीसियों ने अपना सबसे पहला कारखाना स्थापित किया — सूरत में

- * फ्रांसीसी ईस्ट इंडिया कंपनी संस्थापित हुई थी — लुई चौदहवें के शासनकाल में

- * भारत में फ्रांसीसी कंपनी का संस्थापक माना जाता है — कॉल्वर्ट को
- * बंगाल में डचों द्वारा स्थापित कारखाना था — चिनसुरा में
- * फ्रांसीसी दकन में शक्ति आंदोलन स्थापित करने में असफल रहे क्योंकि — अंग्रेजों की फौज शक्तिशाली थी

- * भारत में यूरोपीय शक्तियों के आगमन का क्रम है — पुर्तगीज-डच-अंग्रेज-फ्रांसीसी

* सही सुमेलन है—

- | | | |
|------------|---|-------------|
| पांडिचेरी | — | फ्रेंच |
| गोवा | — | पुर्तगीज |
| ट्रानकेबार | — | डेनिश (डेन) |
| सद्रास | — | डच |

- * यूरोपियों में से स्वतंत्रता-पूर्व भारत में व्यापारी के रूप में सबसे अंत में आए — फ्रांसीसी

ईस्ट इंडिया कंपनी और बंगाल के नवाब

- * मुगल सम्राट द्वारा नियुक्त बंगाल का अंतिम गवर्नर था — मुर्शीद कुली खान
- * वह युद्ध जिसने भारत में ब्रिटिश प्रभुत्व को प्रारंभ किया — प्लासी का युद्ध
- * सिराजुद्दौला लॉर्ड क्लाइव द्वारा परास्त हुआ था — प्लासी के युद्ध में
- * भारतवर्ष में ब्रिटिश साम्राज्य का संस्थापक था — लॉर्ड रॉबर्ट क्लाइव
- * अल्बुकर्क, रॉबर्ट क्लाइव, फ्रांसिस डूप्ले तथा लॉर्ड कार्नवालिस में से जिसे 'स्वर्ण से उत्पन्न सेनानायक' कहा गया, वह है — रॉबर्ट क्लाइव
- * प्लासी का युद्ध मैदान अवस्थित है — पश्चिम बंगाल में
- * प्लासी का युद्ध लड़ा गया था — 1757 ई. में
- * बंगाल का वह नवाब जिसने अपनी राजधानी मुर्शिदाबाद से मुंगेर स्थानांतरित की — मीरकासिम
- * सबसे अधिक निर्णायक युद्ध, जिसने अंग्रेजों के भारत में प्रभुत्व को संस्थापित किया था — बक्सर का युद्ध
- * बक्सर के युद्ध के समय दिल्ली का शासक था — शाहआलम द्वितीय
- * बक्सर की लड़ाई के समय बंगाल का नवाब था — मीर जाफर
- * इंग्लैंड की ईस्ट इंडिया कंपनी की भारत में प्रथम निर्णायक सैन्य सफलता मानी जाती है — बक्सर का युद्ध
- * ईस्ट इंडिया कंपनी को दीवानी प्रदान की थी — शाहआलम द्वितीय ने
- * 1765 ई. में ईस्ट इंडिया कंपनी को बंगाल की दीवानी प्रदान की — मुगल सम्राट ने
- * वह गवर्नर जिसके कार्यकाल में ईस्ट इंडिया कंपनी को शहंशाह शाहआलम द्वारा बंगाल, बिहार तथा उड़ीसा में दीवानी अधिकार दिए गए — लॉर्ड क्लाइव
- * सम्राट शाहआलम द्वितीय ने ईस्ट इंडिया कंपनी को बंगाल, बिहार तथा उड़ीसा की दीवानी प्रदान की — 12 अगस्त, 1765 को
- * इलाहाबाद की संधि के बाद रॉबर्ट क्लाइव ने मुर्शिदाबाद का उप दीवानी नियुक्त किया — मुहम्मद रजा खान को
- * 1765 ई. में दीवानी प्रदान किए जाने के बाद ब्रिटिश सबसे पहले जिस पर्वतीय जनजाति के संपर्क में आए, वह है — खासी
- * 18वें शतक में भारत में लड़े गए युद्धों का सही कालानुक्रम है — अम्बर युद्ध-प्लासी युद्ध-वांडीवाश युद्ध-बक्सर युद्ध
- * वांडीवाश के युद्ध (1760) में — ब्रिटिश ने फ्रेंच को हराया

सम-सामयिक घटना चक्र

- * सही सुमेलित युग्म हैं—
बक्सर का युद्ध — मीरकासिम विरुद्ध ईस्ट इंडिया कंपनी
वांडीवाश का युद्ध — फ्रांसीसी विरुद्ध ईस्ट इंडिया कंपनी
चिलियावाला का युद्ध — डलहौजी के विरुद्ध सिख
खुर्दा का युद्ध — निजाम विरुद्ध मराठे
- * भारत में अंग्रेजों का सर्वाधिक विरोध किया गया — मराठा द्वारा

क्षेत्रीय राज्य : पंजाब एवं मैसूर

- * रणजीत सिंह के राज्य में सम्मिलित था — श्रीनगर
- * रणजीत सिंह संबंधित थे — सुकरचकिया मिसल से
- * महाराजा रणजीत सिंह के राज्य की राजधानी थी — लाहौर
- * रणजीत सिंह ने सुप्रसिद्ध कोहिनूर हीरा प्राप्त किया था — शाहशुजा से
- * “ईश्वर की इच्छा थी कि मैं सब धर्मों को एक निगाह से देखूँ, इसीलिए उसने दूसरी आंख की रोशनी ले ली” यह कथन कहा था — महाराजा रणजीत सिंह ने
- * महाराजा रणजीत सिंह के उत्तराधिकारी थे — खड्ग सिंह
- * सिख राज्य का अंतिम राजा था — दलीप सिंह
- * पंजाब के पूर्व महाराजा दलीप सिंह के विषय में 23 अक्टूबर, 1893 को उनका निधन पेरिस में हुआ, नासिक में उनकी अंत्येष्टि हुई, उन्होंने कभी भी सिख धर्म नहीं छोड़ा था, वह कभी भी रूस नहीं गए थे, मैं से सही कथन है — 23 अक्टूबर, 1893 को उनका निधन पेरिस में हुआ
- * पंजाब के विलय के पश्चात पंजाब पर शासन करने के लिए 'तीन की परिषद' के सदस्य थे — सर हेनरी लॉरेंस (अध्यक्ष), जॉन लॉरेंस एवं चार्ल्स ग्रेविल मानसेल
- * प्रथम आंग्ल-मैसूर युद्ध (1766-69) में विजयी हुआ — हैदर अली
- * ब्रिटिश जनरल जिसने हैदर अली को पोर्टोनोवो के युद्ध में हराया — सर आयरकूट
- * टीपू सुल्तान ने अपनी राजधानी बनाई — श्रीरंगपट्टनम में
- * वह भारतीय शासक जिसने विदेशों में आधुनिक पद्धति से दूतावास स्थापित किए थे — टीपू सुल्तान
- * टीपू सुल्तान ने ब्रिटिश सेना को 1780 ई. में हराया था — पोलीतुर में
- * अंग्रेजों ने श्रीरंगपट्टनम की संधि की थी — टीपू सुल्तान के साथ
- * टीपू सुल्तान अंग्रेजों के साथ युद्ध में मारे गए — 1799 ई. में
- * सही सुमेलित युग्म हैं—
प्रथम आंग्ल-मैसूर युद्ध - हैदर अली विजित हुआ था
द्वितीय आंग्ल-मैसूर युद्ध - अनिर्णायक
तृतीय आंग्ल-मैसूर युद्ध - टीपू सुल्तान युद्ध में पराजित हुआ और अपना भू-भाग अंग्रेजों को दिया।
चतुर्थ आंग्ल-मैसूर युद्ध - टीपू पराजित किया गया और युद्ध के मध्य दिवंगत हुआ

- * बेगम समरु ने एक अति प्रसिद्ध चर्च का निर्माण करवाया — सरघना में
- * सही कथन हैं—
— महाराजा रणजीत सिंह ने लाहौर में तोपों के निर्माण के लिए आधुनिक ढलाई खाने स्थापित किए; आमेर में सवाई जयसिंह ने यूक्लिड के 'रेखागणित के तत्वों' का संस्कृत में अनुवाद कराया; मैसूर में टीपू सुल्तान ने शृंगेरी मंदिर में देवी शारदा की मूर्ति के निर्माण के लिए धन दिया।
- * सही कथन है—
— प्लासी के युद्ध में सिराजुद्दौला की पराजय के लिए मीर जाफर ने अंग्रेजों से मिलकर षड्यंत्र रचा

गवर्नर/गवर्नर जनरल/वायसराय

- * सही कथन हैं—
— जन प्रशासन की नींव वॉरेन हेस्टिंग्स द्वारा मजबूती से रखी गई जिस पर ऊपरी संरचना कार्नवालिस ने की; ईस्ट इंडिया कंपनी की असैनिक और सैनिक सुधार करने का श्रेय क्लाइव को था; लॉर्ड डलहौजी ने ध्युति के सिद्धांत के आधार पर ब्रिटिश साम्राज्य में समृद्ध क्षेत्र जोड़े।
- * कलकत्ता में एशियाटिक सोसायटी की स्थापना के समय बंगाल का गवर्नर जनरल था — लॉर्ड वॉरेन हेस्टिंग्स
- * 'सुरक्षा प्रकोष्ठ' की नीति संबंधित है — वॉरेन हेस्टिंग्स से
- * बंगाल में द्वैध-शासन प्रणाली (Dual Government) को समाप्त किया — वॉरेन हेस्टिंग्स ने
- * वह गवर्नर जनरल जिस पर ब्रिटिश संसद में महाभियोग का मुकदमा चलाया गया था — वॉरेन हेस्टिंग्स
- * भारत में न्यायिक संगठन की स्थापना की — लॉर्ड कार्नवालिस ने
- * वह गवर्नर जनरल जिसने भारत की प्रसविदाबद्ध सिविल सेवा (कोवेनैन्टेड सिविल सर्विस ऑफ इंडिया) का सृजन किया जो कालांतर में भारतीय सिविल सेवा के नाम से जानी गई — कार्नवालिस
- * लॉर्ड कार्नवालिस की कब्र स्थित है — गाजीपुर में
- * 1802 ई. की 'बसीन की संधि' पर हस्ताक्षर हुए थे — अंग्रेज तथा बाजीराव II के मध्य
- * लॉर्ड वेलेजली की सहायक संधि को स्वीकार करने वाला पहला मराठा सरदार था — पेशवा बाजीराव II
- * सहायक संधि को क्रियान्वित किया गया — लॉर्ड वेलेजली के काल में
- * सहायक संधि व्यवस्था को स्वीकार करने वाला प्रथम भारतीय देशी शासक था — हैदराबाद के निजाम
- * हैदराबाद, मैसूर, अवध तथा सिंधिया में लॉर्ड वेलेजली के साथ सहायक संधि करने वाले राज्यों का सही कालानुक्रम है — हैदराबाद, मैसूर, अवध तथा सिंधिया

सम-सामयिक घटना बक

- * सहायक संधि को स्वीकार करने वाला पहला शासक था
— अवध का नवाब
- नोट— यदि प्रश्न में वेलेजली की सहायक संधि को स्वीकार करने वाले प्रथम राज्य के बारे में पूछा जाए, तो उत्तर हैदराबाद होगा।
- * हैदराबाद के निजाम, इंदौर के होल्कर राज्य, जोधपुर के राजपूत राज्य तथा मैसूर के शासक में से 'सहायक संधि' स्वीकार नहीं की थी
— इंदौर के होल्कर राज्य ने
- * भारतीय राज्यों पर अंग्रेजी प्रभुत्व स्थापित करने के लिए प्रशासन में सहायक संधि प्रणाली का सूत्रपात किया — लॉर्ड वेलेजली ने
- * ईस्ट इंडिया कंपनी का राजपूत राज्यों में सहायक संधि करने का मुख्य उद्देश्य था — अंग्रेजों की प्रभुसत्ता स्थापित करना
- * उस समय जब नेपोलियन की शक्ति के सामने यूरोप में साम्राज्य घराशाही हो रहे थे, तत्कालीन समय में वह ब्रिटिश गवर्नर जनरल जिसने भारत में ब्रिटिश पताका फहराए रखी — लॉर्ड वेलेजली
- * आंग्ल-नेपाल युद्ध जिसके शासनकाल में हुआ था, वह है
— लॉर्ड हेस्टिंग्स
- * सही सुमेलित है—
हेक्टर मुनरो - बक्सर का युद्ध
लॉर्ड हेस्टिंग्स - आंग्ल-नेपाल युद्ध
लॉर्ड वेलेजली - चतुर्थ आंग्ल-मैसूर युद्ध
लॉर्ड कॉर्नवालिस - तृतीय आंग्ल-मैसूर युद्ध
- * तृतीय आंग्ल-मराठा युद्ध संबंधित है — लॉर्ड हेस्टिंग्स से
- * सर टॉमस मुनरो मद्रास के गवर्नर रहे — 1820-1827 ई. तक
- * तथाकथित कुशासन के आधार पर जिस गवर्नर जनरल ने मैसूर राज्य के प्रशासन को ले लिया था, वह था — लॉर्ड विलियम बेंटिक
- * गवर्नर जनरल जो तृतीय आंग्ल-मैसूर युद्ध से संबद्ध है
— लॉर्ड कार्नवालिस
- * ठगों के दमन से संबद्ध था — कैप्टन स्लीमैन
- * सती प्रथा पर पाबंदी लगाई — विलियम बेंटिक ने
- * विलियम बेंटिक के द्वारा सती प्रथा समाप्त की गई — 1829 ई. में
- * बंगाल से दासों के निर्यात को रोक दिया गया — 1789 ई. में
- * लॉर्ड डलहौजी द्वारा अवध का अंग्रेजी राज्य में विलय हुआ था
— कुप्रशासन के कारण
- * ब्रिटिश साम्राज्य में अवध का विलय हुआ था — 1856 ई. में
- * सही सुमेलित युग्म है—
1849 ई. — पंजाब का विलय
1848 ई. — सतारा का विलय
1856 ई. — अवध का विलय
1855 ई. — करौली का विलय
- * वह गवर्नर जनरल जिसने विलय की नीति नियोजित एवं क्रियान्वित की
— डलहौजी

- * भारत में ब्रिटिश शासन के दौरान झांसी, संभलपुर तथा सतारा राज्यों के विलय का सही क्रम है— सतारा, संभलपुर, झांसी
- * अंग्रेजों द्वारा सिंध विजय संपन्न हुई — लॉर्ड एलेनबरो के समय
- * सिंध पर ब्रिटिश ने कब्जा किया — 1843 ई. में
- * जब अवध का ब्रिटिश साम्राज्य में विलय हुआ उस समय अवध का ब्रिटिश रेजीडेंट था — जेम्स आउट्रम
- * भारत में प्रथम रेलवे लाइन जिस ब्रिटिश गवर्नर के समय बिछाई गई थी, वह था — लॉर्ड डलहौजी
- * भारत में प्रथम रेल लाइन का निर्माण हुआ था
— बंबई और थाणे के मध्य
- * भारत में पहली रेलवे लाइन शुरू हुई — 1853 ई. में
- * वह कंपनी जिसने सर्वप्रथम भारत में रेल यात्रा प्रारंभ की
— ग्रेट इंडियन पेनिनसुला रेलवे
- * ब्रिटिश भारतीय राज्य क्षेत्र का अंतिम प्रमुख विस्तार हुआ
— डलहौजी के समय में
- * पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट को 1845-1855 ई. के दौरान स्वरूप देने वाले थे — लॉर्ड डलहौजी
- * विधवा पुनर्विवाह अधिनियम क्रियान्वित किया गया
— लॉर्ड कैनिंग के शासनकाल में
- * 1 नवंबर, 1858 को महारानी विक्टोरिया का घोषणा-पत्र इलाहाबाद में पढ़कर सुनाया था — लॉर्ड कैनिंग ने
- * भारत का प्रथम वायसराय था — लॉर्ड कैनिंग
- * अपने पुत्र के स्थान पर दूसरे उत्तराधिकारी को गोद लेने के अधिकार को पुनः स्थापित किया था
— 1858 ई. की साम्राज्ञी की घोषणा ने
- * महारानी विक्टोरिया को भारत की साम्राज्ञी नियुक्त किया गया
— 1858 ई. में
- * वह गवर्नर जनरल जिसने भारत में दास प्रथा को समाप्त किया था
— लॉर्ड एलेनबरो ने
- * सही सुमेलित युग्म है—
लॉर्ड कार्नवालिस - स्थायी बंदोबस्त
लॉर्ड वेलेजली - सहायक संधि
लॉर्ड डलहौजी - व्यपगत का सिद्धांत
लॉर्ड कैनिंग - 1857 का विद्रोह
लॉर्ड हेस्टिंग्स - तृतीय आंग्ल-मराठा युद्ध
लॉर्ड विलियम बेंटिक - 1829 ई. का सत्रहवां रेगुलेशन
- * 'स्थायी बंदोबस्त' प्रारंभ किया गया था
— लॉर्ड कार्नवालिस के शासनकाल में
- * पेशवाई (Peshwaship) को समाप्त किया गया था
— 1818 ई. में

सम-सामयिक घटना चक्र

* सही सुमेलित है—

सर जॉन शोर	—	निष्क्रियता
लॉर्ड एलेनबरो	—	सिंध का विलय
लॉर्ड डलहौजी	—	अवध का विलय
लॉर्ड वेलेजली	—	चतुर्थ आंग्ल-मैसूर युद्ध

* सही सुमेलित है

लॉर्ड डलहौजी	-	अवध का विलीनीकरण
लॉर्ड डफरिन	-	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना
लॉर्ड विलियम बेंटिक	-	चार्टर एक्ट, 1833 का पारित होना
लॉर्ड लिटन	-	द्वितीय आंग्ल-अफगान युद्ध का प्रारंभ होना

* वह गवर्नर जनरल जो 'चतुराईपूर्ण निष्क्रियता' की नीति के साथ जुड़ा है — जॉन लॉरेंस

* भारत में अंग्रेजों के समय में प्रथम जनगणना हुई — लॉर्ड मेयो के कार्यकाल में

* वह वायसराय जिसकी हत्या अंडमान निकोबार द्वीपसमूह में (जब वे भ्रमण पर थे) एक दंडित अपराधी द्वारा की गई थी — लॉर्ड मेयो

* अफगानिस्तान के प्रति एक जोशमयी 'अग्र' (फॉरवर्ड) नीति का अनुसरण करने वाला गवर्नर जनरल था — लिटन

* भारत का वायसराय सबसे दीर्घकाल तक रहा — लॉर्ड लिनलिथगो, लॉर्ड कर्जन (द्वितीय सर्वाधिक कार्यकाल)

* भारत में स्थानीय स्वायत्तशासी संस्थाएं 1882 ई. में सशक्त की गई थीं — लॉर्ड रिपन द्वारा

* इलबर्ट बिल विवाद का संबंध था — यूरोप के लोगों के मामलों की सुनवाई करने के लिए भारतीय न्यायाधीशों पर लगाई गई अयोग्यताओं को हटाए जाने से

* महिलाओं तथा बच्चों की कार्यावधि के घंटों को सीमित करने तथा स्थानीय शासन को आवश्यक नियम बनाने के लिए प्राधिकृत करने के लिए प्रथम फैक्टरी अधिनियम का अभिग्रहण किया गया

— लॉर्ड रिपन के कार्यकाल में

* भारत में 'स्थानीय स्वायत्त शासन' का जनक माना जाता है — लॉर्ड रिपन को

* सही सुमेलित है—

सूची I	सूची II
क्लाइव	- बंगाल में दोहरा शासन
बेंटिक	- अंग्रेजी शिक्षा
चार्ल्स मेटकॉफ	- प्रेस पर से प्रतिबंध हटाना
लॉर्ड विलियम बेंटिक	- सती प्रथा का निषेध
लॉर्ड रिपन	- स्वायत्त शासन
लॉर्ड कर्जन	- बंगाल का विभाजन

* भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की स्थापना हुई थी— लॉर्ड कर्जन के काल में

* प्राचीन स्मारक संरक्षण एक्ट पारित हुआ था — लॉर्ड कर्जन के कार्यकाल में

* भारत में कर्जन के प्रशासन की तुलना औरंगजेब से की थी — जी.के. गोखले ने

* भारत में ब्रिटिश साम्राज्य के दौरान लॉर्ड कर्जन, लॉर्ड चेम्सफोर्ड, लॉर्ड हार्डिंग तथा लॉर्ड इरविन वायसरायों का सही कालानुक्रम है—

— लॉर्ड कर्जन-लॉर्ड हार्डिंग-लॉर्ड चेम्सफोर्ड-लॉर्ड इरविन

* 'फूट डालो और राज करो' की रणनीति अपनाई गई थी — लॉर्ड कर्जन द्वारा

* वह गवर्नर जनरल जिसने सबसे पहले 'पृथक निर्वाचन मंडल' की व्यवस्था, मुसलमानों को जीतने व उन्हें कांग्रेस के विरुद्ध करने के लिए, इस्तेमाल की — लॉर्ड मिंटो

* भारत का एकमात्र यहूदी वायसराय था — लॉर्ड रीडिंग

* सही सुमेलित है—

पिट्स इंडिया एक्ट	-	बॉरेन हेस्टिंग्स
डॉक्ट्रिन ऑफ लैप्स	-	डलहौजी
बर्नाकुलर प्रेस एक्ट	-	लिटन
इलबर्ट बिल	-	रिपन
ठगी का दमन	-	विलियम बेंटिक
रिंग फेंस की नीति	-	बॉरेन हेस्टिंग्स

* ब्रिटिश भारत की राजधानी का कलकत्ता से दिल्ली स्थानांतरण क्रियान्वित हुआ — लॉर्ड हार्डिंग के काल में

* सही सुमेलित है—

चूक का सिद्धांत/हड़प नीति	-	डलहौजी
बंगाल का विभाजन	-	लॉर्ड कर्जन
बंगाल में दोहरा शासन	-	क्लाइव
सामाजिक सुधार	-	बेंटिक

* सही सुमेलित है—

सूची-I

सूची-II

बंगाल में फोर्ट विलियम प्रेसीडेंसी का गवर्नर जनरल (रेग्युलेटिंग एक्ट, 1773 के अधीन)	—	चार्ल्स कर्नवालिस, कर्नवालिस का दूसरा अर्ल और पहला मार्किस्स
भारत का गवर्नर जनरल (चार्टर एक्ट, 1833 के अधीन)	—	जेम्स एंड्रयू ब्राउन-रैम्जे, डलहौजी का अर्ल और मार्किस्स
भारत का गवर्नर जनरल और वायसराय (इंडियन काउंसिल एक्ट, 1858 के अधीन)	—	गिलबर्ट जॉन इलियट-मरे-कीनिन्मांड, मिंटो का अर्ल
गवर्नर जनरल और सम्राट का प्रतिनिधि (गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट, 1935 के अधीन)	—	आर्किबाल्ड पर्सिवल वेवेल, बाइकाउंट और अर्ल वेवेल

ब्रिटिश शासन का भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रभाव

- * भारत में उपनिवेशी शासनकाल में "होम चार्ज" भारत से संपत्ति दोहन का महत्वपूर्ण अंग था। वह निधियां जो होम चार्ज की संघटक थीं
 - लंदन में इंडिया ऑफिस के भरण-पोषण के लिए प्रयोग में लाई जाने वाली निधि; भारत में कार्यरत अंग्रेज कर्मचारियों के वेतन तथा पेंशन देने हेतु प्रयोग में लाई जाने वाली निधि।
- * शब्द 'इंपीरियल प्रेफरेंस' का प्रयोग किया जाता था
 - भारत में ब्रिटिश आयातों पर दी गई विशेष रियायतों के लिए
- * ब्रिटिश शासन के दौरान भारत में उद्योगों का कोई स्वतंत्र विकास नहीं हुआ। इसका कारण था
 - भारी उद्योगों का अभाव
- * इस्तमरारी बंदोबस्त लागू किया
 - लॉर्ड कार्नवालिस ने
- * 'स्थायी बंदोबस्त' प्रारंभ किया गया था
 - लॉर्ड कार्नवालिस के प्रशासन काल में
- * स्थायी बंदोबस्त किया गया
 - जमींदारों से
- * लॉर्ड कार्नवालिस द्वारा स्थायी बंदोबस्त लागू किया गया
 - 1793 ई. में
- * चिरस्थायी बंदोबस्त, 1793 के अंतर्गत जमींदारों से अपेक्षा की गई थी कि वे खेतिहरों को पट्टा जारी करेंगे। अनेक जमींदारों ने पट्टा जारी नहीं किए। इसका कारण था
 - जमींदारों के ऊपर कोई सरकारी नियंत्रण नहीं था
- * बिहार में 'परमानेंट सेटिलमेंट' लागू करने का कारण था
 - जमींदारों के लिए जमीन पर वंश परंपरागत अधिकार को स्वेच्छा से हस्तांतरित करने का अधिकार
- * में बंगाल और बिहार में भूमि पर किराएदारों के अधिकारों को बंगाल किराएदारी अधिनियम द्वारा दिया गया था।
 - 1885 ई.
- * सर टॉमस मुनरो जिस भूराजस्व बंदोबस्त से संबद्ध हैं, वह है
 - रैयतवाड़ी बंदोबस्त
- * अंग्रेजों ने रैयतवाड़ी बंदोबस्त लागू किया था
 - मद्रास और बंबई प्रेसीडेंसी में
- * अंग्रेजों ने रैयतवाड़ी व्यवस्था सर्वप्रथम आरंभ की थी
 - मद्रास प्रेसीडेंसी में
- * ब्रिटिश व्यवस्था में रैयतवाड़ी भूराजस्व संग्रह प्रचलित था
 - दक्षिणी भारत में
- * रैयतवाड़ी बंदोबस्त के संदर्भ में, सही कथन हैं-
 - किसानों द्वारा लगान सीधे सरकार को दिया जाता था; सरकार रैयत को पट्टे देती थी; कर लगाने के पूर्व भूमि का सर्वेक्षण और मूल्य-निर्धारण किया जाता था।

- * असम में सर्वप्रथम चाय कंपनी की स्थापना हुई थी — 1839 ई. में
- * दादाभाई नौरोजी द्वारा प्रतिपादित 'अपवाह सिद्धांत' (Drain Theory) की सही परिभाषा है
 - भारत की राष्ट्रीय संपदा का एक भाग अथवा कुल वार्षिक उत्पाद ब्रिटेन को निर्यात कर दिया जाता था जिसके लिए भारत को कोई वास्तविक प्रतिफल नहीं मिलता था।
- * अंग्रेजों के शासनकाल में भारत के "आर्थिक दोहन" के सिद्धांत को प्रतिपादित किया
 - दादाभाई नौरोजी ने
- * 'निकास के सिद्धांत' का प्रतिपादन किया था
 - दादाभाई नौरोजी ने
- * भारत में उपनिवेशवाद का/के आर्थिक आलोचक था/थे
 - दादाभाई नौरोजी, जी. सुब्रमण्य अय्यर तथा आर.सी. दत्त
- * बाल गंगाधर तिलक, आर.सी. दत्त, एम.जी. रानाडे तथा सर सैयद अहमद खां में से दादाभाई नौरोजी के उत्सारण सिद्धांत (Drain Theory) में विश्वास नहीं करता था
 - सर सैयद अहमद खां
- * 'पावर्टी एंड द अनब्रिटिश रूल इन इंडिया' नामक पुस्तक लिखी
 - दादाभाई नौरोजी ने
- * दादाभाई नौरोजी की भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन को सर्वाधिक प्रभावी देने की शक्ति
 - उन्होंने इस बात को अभिव्यक्त किया कि ब्रिटेन, भारत का आर्थिक शोषण कर रहा है
- * भारत में 'ब्रिटिश आर्थिक नीति' चिन्तनी है, यह विचार व्यक्त किया था
 - कार्ल मार्क्स ने

1857 की क्रांति

- * अंग्रेजी भारतीय सेना में चर्बी वाले कारतूसों से चलने वाली एनफील्ड राइफल को शामिल किया गया
 - दिसंबर, 1856 में
- * भारत के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम का मुख्य तात्कालिक कारण था
 - अंग्रेजों का धर्म में हस्तक्षेप का संदेह
- * मंगल पांडे की घटना हुई थी
 - बैरकपुर में
- * मंगल पांडे सिपाही थे
 - 34वीं बंगाल नेटिव इन्फैंट्री के
- * 1857 के विद्रोह के दौरान बहादुर शाह ने 'साहब-ए-आलम बहादुर' का खिताब दिया था
 - बख्त खान को
- * 1857 की क्रांति का प्रमुख कारण था
 - ब्रिटिश साम्राज्य की नीति
- * 1857 की क्रांति सर्वप्रथम प्रारंभ हुई
 - मेरठ से
- * 1857 के स्वतंत्रता संग्राम से संबंधित पहली घटना थी
 - सैनिकों का दिल्ली के लाल किले पर पहुंचना
- * 1857 के स्वाधीनता संग्राम का प्रतीक था
 - कमल और रोटी
- * 1857 के संग्राम के झांसी, मेरठ, दिल्ली तथा कानपुर केंद्रों में से सबसे पहले अंग्रेजों ने पुनः अधिकृत किया
 - दिल्ली को

सम-सामयिक घटना चक्र

- * 1857 के स्वाधीनता संघर्ष की वीरंगना महारानी लक्ष्मीबाई की जन्मस्थली है — वाराणसी
 - * 1857 के बरेली विद्रोह का नेता था — खान बहादुर
 - * महारानी लक्ष्मीबाई की समाधि स्थित है — ग्वालियर में
 - * रानी लक्ष्मीबाई को अंतिम युद्ध में सामना करना पड़ा — हूरोज का
 - * 1857 का विद्रोह लखनऊ में जिसके नेतृत्व में आगे बढ़ा, वह थीं — बेगम ऑफ अवध
 - * वह महिला जिन्होंने अवध में 1857 की क्रांति का नेतृत्व किया था — बेगम हजरत महल
 - * इलाहाबाद में 1857 के संग्राम का नेता था — मौलवी लियाकत अली
 - * 1857 के संघर्ष में भाग लेने वाले सिपाहियों की सर्वाधिक संख्या थी — अवध से
 - * नाना साहब का "कमांडर-इन-चीफ" था — तात्या टोपे
 - * अजीमुल्ला खां सलाहकार थे — नाना साहब के
 - * वर्ष 1857 के विद्रोह के संदर्भ में नाना साहब, कुंवर सिंह, खान बहादुर खान तथा तात्या टोपे में से वह जिसे, उसके मित्र ने धोखा दिया, तथा जिसे अंग्रेजों द्वारा बंदी बनाकर मार दिया गया — तात्या टोपे को
 - * 1857 के क्रांतिकारियों में वह जिसका वास्तविक नाम 'रामचंद्र पांडुरंग' था — तात्या टोपे
 - * कुंवर सिंह, 1857 के विद्रोह के एक प्रमुख नायक थे। वह संबद्ध थे — बिहार से
 - * पटना के 1857 के स्वतंत्रता संग्राम के नेता थे — राजपूत कुंवर सिंह
 - * असम में 1857 की क्रांति का नेता था — दीवान मनिराम दत्त
 - * 1857 के विद्रोह का बिहार में 15 जुलाई, 1857 से 20 जनवरी, 1858 तक केंद्र था — जगदीशपुर
 - * जगदीशपुर का वह व्यक्ति जिसने 1857 ई. के विप्लव में क्रांतिकारियों का नेतृत्व किया — कुंवर सिंह
 - * जगदीशपुर के राजा थे — कुंवर सिंह
 - * 1857 ई. की क्रांति में अंग्रेजों व जोधपुर की संयुक्त सेना को पराजित करने वाला था — आऊवा के ठाकुर कुशल सिंह
 - * अजमेर, जयपुर, नीमच तथा आऊवा में से राजस्थान में 1857 की क्रांति का केंद्र नहीं था — जयपुर
 - * चंद्रशेखर आजाद, रामप्रसाद बिस्मिल, शहादत खान तथा माखनलाल चतुर्वेदी में से 1857 में अंग्रेजों से संघर्ष किया — शहादत खान ने
 - * मौलवी अहमदुल्लाह शाह, मौलवी इंदुल्लाह, मौलाना फज्लेहक खैराबादी तथा नवाब लियाकत अली में से 1857 के विद्रोह में अंग्रेजों का सबसे कट्टर दुश्मन था — मौलवी अहमदुल्लाह शाह
 - * 1857 के विद्रोह को देखने वाले उर्दू कवि थे — मिर्जा गालिब
 - * सुप्रसिद्ध उर्दू शायर मिर्जा गालिब का मूल निवास था — आगरा
 - * आजादी की पहली लड़ाई 1857 में भाग नहीं लिया — भगत सिंह ने
 - * 1857 के विद्रोह में बेगम हजरत महल, कुंवर सिंह, ऊधम सिंह तथा मौलवी अहमदुल्लाह में से संबद्ध नहीं था — ऊधम सिंह
 - * 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में अंग्रेजों की सर्वाधिक सहायता करने वाला राजवंश था — ग्वालियर के सिंधिया
 - * भारत में शिक्षित मध्यवर्ग ने — 1857 के विद्रोह से तटस्थता बनाए रखी थी
 - * खेतिहर मजदूर, साहूकार, कृषक तथा जमींदार वर्गों में 1857 के विद्रोह में भाग नहीं लिया — साहूकार तथा जमींदार ने
 - * झांसी, चित्तौड़, जगदीशपुर तथा लखनऊ में से वह क्षेत्र जो 1857 के विद्रोह से प्रभावित नहीं था — चित्तौड़
 - * बिहार के दानापुर, पटना, आरा, मुजफ्फरपुर, मुंगेर में से 1857 के विद्रोह से अप्रभावित भाग था — मुंगेर
 - * सही सुमेलित है—
- | | |
|-----------------|---------------|
| सूची-1 | सूची-2 |
| बख्त खां | — दिल्ली |
| मौलवी अहमदुल्ला | — अवध |
| कुंवर सिंह | — आरा |
| नाना साहब | — कानपुर |
- * सही सुमेलित है—
- | | |
|---------------|-------------------|
| सूची-I | सूची-II |
| झांसी | — रानी लक्ष्मीबाई |
| लखनऊ | — बेगम हजरत महल |
| कानपुर | — अजीमुल्लाह खां |
| फैजाबाद | — मौलवी अहमद शाह |
- * सही सुमेलित है—
- | | |
|-------------------------|----------------|
| सूची-I | सूची-II |
| (क्रांतिकारियों के नाम) | (स्थान) |
| नाना साहब | - कानपुर |
| नवाब हमिद अली खान | - दिल्ली |
| मौलवी अहमदुल्ला | - लखनऊ |
| मनी राम दीवान | - असम |
- * 1857 के विद्रोह के समय भारत का गवर्नर जनरल था — लॉर्ड कैनिंग
 - * 1857 विद्रोह के समय बैरकपुर में ब्रिटिश कमांडिंग ऑफिसर था — जॉन बेनेट हैरसे
 - * 1857 में इलाहाबाद को आपातकालीन मुख्यालय बनाया था — लॉर्ड कैनिंग ने
 - * 1857 के विद्रोह के समय ब्रिटिश प्रधानमंत्री थे — विस्कोन्ट पामरस्टन
 - * 1857 का विद्रोह मुख्यतः असफल रहा — किसी सामान्य योजना और केंद्रीय संगठन की कमी के कारण

सम-सामयिक घटना बक

- * 1857 का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम असफल हुआ क्योंकि
 - भारतीय सिपाहियों में उद्देश्य की एकता की कमी थी, प्रायः भारतीय राजाओं ने ब्रिटिश सरकार का साथ दिया, ब्रिटिश सिपाही कहीं अच्छे सज्जित तथा संगठित थे।
- * अंग्रेज राजपूत राज्यों में 1857 के विद्रोह को दबाने में सफल रहे क्योंकि
 - स्थानीय शासकों ने क्रांतिकारियों का साथ नहीं दिया
- * जनरल जॉन निकलसन, जनरल नील, मेजर जनरल हैबलॉक तथा सर हेनरी लॉरेंस में से वह ब्रिटिश अधिकारी जिन्होंने लखनऊ में अपना जीवन खोया था
 - जनरल नील, मेजर जनरल हैबलॉक तथा सर हेनरी लॉरेंस
- * कथन : 1857 में प्रथम स्वतंत्रता संग्राम ब्रिटिश सरकार से स्वतंत्रता प्राप्त करने में असफल रहा।
 - कारण : बहादुरशाह जफर के नेतृत्व को जनसहयोग नहीं मिला था और अधिकांश महत्वपूर्ण रियासतों के शासक उनका साथ देने में कतरा गए।
 - कथन और कारण दोनों सत्य हैं और कारण, कथन का सही स्पष्टीकरण है।
- * 1857 के विद्रोह को एक 'षड्यंत्र' की संज्ञा दी
 - सर जेम्स आउट्रम एवं डब्ल्यू. टेलर ने
- * वह आधुनिक इतिहासकार जिसने 1857 के विद्रोह को स्वतंत्रता की पहली लड़ाई कहा था
 - वी. डी. सावरकर
- * भारतीय स्वाधीनता आंदोलन का सरकारी इतिहासकार था
 - एस.एन. सेन
- * भारतीय भाषा में 1857 के विप्लव के कारणों पर लिखने वाला प्रथम भारतीय था
 - सैयद अहमद खां
- * "तथाकथित प्रथम राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम न प्रथम, न राष्ट्रीय और न ही स्वतंत्रता संग्राम था।" यह कथन संबद्ध है
 - आर.सी. मजूमदार से
- * 1857 की क्रांति के बारे में सही अवधारणा है
 - इसने भारत में ईस्ट इंडिया कंपनी की शासन प्रणाली को मृतप्राय बना दिया।
- * महारानी विक्टोरिया ने भारतीय प्रशासन को ब्रिटिश ताज के नियंत्रण में लेने की घोषणा की थी
 - 1 नवंबर, 1858 को
- * साम्राज्ञी विक्टोरिया ने 1858 की घोषणा में भारतीयों को बहुत-सी चीजें दिए जाने का आश्वासन दिया था। वह आश्वासन जिसे ब्रिटिश शासन ने पूरा किया था
 - रियासतों को हड़पने की नीति समाप्त कर दी जाएगी
- * महारानी विक्टोरिया की उद्घोषणा (1858) का उद्देश्य था
 - भारतीय राज्यों को ब्रिटिश साम्राज्य में मिलाने के किसी भी विचार का परित्याग करना तथा भारतीय प्रशासन को ब्रिटिश क्रॉउन के अंतर्गत रखना

- * पब्लिक सर्विस आयोग, पील आयोग, हंटर आयोग तथा साइमन कमीशन में 1857 के विद्रोह के दमन के बाद भारतीय फौज के नव संगठन से संबंधित है
 - पील आयोग
- * 1857 के विद्रोह के बाद ब्रिटिश सरकार ने सिपाहियों का इन प्रांतों से चयन किया
 - गोरखा, सिख एवं पंजाबी उत्तर प्रांत से

अन्य जन आंदोलन

- * 1857 के विद्रोह के ठीक बाद बंगाल में संन्यासी विद्रोह, संथाल विद्रोह, नील उपद्रव तथा पावना उपद्रव में से विप्लव हुआ — नील उपद्रव का
- * नील कृषकों की दुर्दशा पर लिखी गई पुस्तक "नील दर्पण" के लेखक थे
 - दीनबंधु मित्र
- * 'वन्दे मातरम्' गीत लिखा है
 - बंकिमचंद्र चटर्जी ने
- * आनंद मठ उपन्यास की कथावस्तु आधारित है— संन्यासी विद्रोह पर
- * वह विद्रोह जिसका उल्लेख बंकिमचंद्र चटर्जी ने अपने उपन्यास आनंद मठ में करके प्रसिद्ध किया
 - संन्यासी विद्रोह
- * मुंगेर के बरहियाताल विरोध का उद्देश्य था
 - बाकायत भूमि की वापसी की मांग
- * उन्नीसवीं शताब्दी के दौरान होने वाले "वहाबी आंदोलन" का मुख्य केंद्र था
 - पटना
- * कूका आंदोलन को संगठित किया
 - गुरु राम सिंह ने
- * पागलपंथी विद्रोह वस्तुतः एक विद्रोह था
 - गारों का
- * 'पागल पंथ' की स्थापना की थी
 - करमशाह ने
- * फराजी विद्रोह का नेता था
 - दादू मियां
- * फराजी थे
 - हाजी शरिअतुल्लाह के अनुयायी
- * वेलु थम्पी ने अंग्रेजों के विरुद्ध आंदोलन का नेतृत्व किया था
 - केरल में
- * महाराष्ट्र में रामोसी कृषक जल्था स्थापित किया था
 - वासुदेव बलवंत फड़के ने
- * रामोसी विद्रोह सही रूप में जिस भौगोलिक इलाके में हुआ था, वह था
 - पश्चिमी घाट
- * गढ़करी विद्रोह का केंद्र था
 - कोल्हापुर
- * मानव बलि प्रथा का निषेध करने के कारण अंग्रेजों के विरुद्ध विद्रोह करने वाली जनजाति का नाम
 - खोंद
- * कोल विद्रोह (1831-32) का नेतृत्व किया
 - बुद्ध भगत ने
- * वधेरा विद्रोह हुआ
 - बड़ौदा में
- * छोटा नागपुर जनजाति विद्रोह हुआ था
 - 1820 ई. में
- * संथाल विद्रोह का नेतृत्व किया
 - सिद्धू-कान्हू एवं भैरव-बांद
- * 1855 ई. में संथालों ने जिस अंग्रेज कमांडर को हराया— मेजर बारी
- * भील विद्रोह, कोल विद्रोह, रम्पा विद्रोह तथा संथाल विद्रोह में से वह घटना जो महाराष्ट्र में घटित हुई
 - भील विद्रोह

सम-सामयिक घटना चक्र

- * मेवाड़, बांगड़ और पास के क्षेत्रों के भीलों में सामाजिक सुधार के लिए 'लसोड़िया आंदोलन' का सूत्रपात किया — गोविंद गिरि ने
- * उलगुलन विद्रोह जुड़ा था — बिरसा मुंडा से
- * मुंडा विद्रोह का नेता था — बिरसा मुंडा
- * जिस आदिवासी नेता को जगत पिता (धरती आबा) कहा जाता था, वह था — बिरसा मुंडा
- * बिरसा मुंडा का कार्य क्षेत्र था — रांची
- * जनजातीय लोगों के संबंध में 'आदिवासी' शब्द का प्रयोग किया था — ठक्कर बापा ने
- * भारत में 19 वीं शताब्दी के जनजातीय विद्रोह के लिए जिसने साझा कारण मुहैया किया — जनजातीय समुदायों की प्राचीन भूमि संबंधी व्यवस्था का संपूर्ण विदारण
- * हौज विद्रोह हुआ — 1820-21 ई. के दौरान
- * खैरवार आदिवासी आंदोलन हुआ — 1874 ई. में
- * संभलपुर के अनेक ब्रिटिश-विरोधी विद्रोहों का नेता था — सुरेंद्र साई
- * नील विद्रोह, संथाल विद्रोह, दक्कन के दंगे तथा सिपाही विद्रोह का सही कालानुक्रम है — संथाल विद्रोह, सिपाही विद्रोह, नील विद्रोह, दक्कन के दंगे
- * सही सुमेलित है—

सूची-I		सूची-II
मोपला विद्रोह	-	केरल
पाबना विद्रोह	-	बंगाल
एका आंदोलन	-	अवध
बिरसा मुंडा विद्रोह	-	बिहार
- * 1921 का मोपला विद्रोह हुआ था — केरल में
- * सही सुमेलित है—

सूची-I (घटनाएं)		सूची-III (तिथियां)
बैरकपुर विद्रोह	-	नवंबर, 1824
बरहामपुर विद्रोह	-	फरवरी, 1857
संथाल विद्रोह	-	1855-56
बेल्लोर विद्रोह	-	जुलाई, 1806
- * सही सुमेलित है—

	-	पंजाब
कूका विद्रोह	-	महाराष्ट्र
कोली विद्रोह	-	प. बंगाल
चुआर विद्रोह	-	त्रिपुरा
कूकी विद्रोह	-	गोमधर कुंवर
अहोम	-	जतरा भगत
- * अंग्रेजों के विरुद्ध भीलों द्वारा क्रांति प्रारंभ की गई थी — मध्य प्रदेश एवं महाराष्ट्र में

- * ताना भगत आंदोलन जतराउरांव ने प्रारंभ किया था — 1914 में
- * महात्मा गांधी एवं उनके विचारों से प्रभावित होने वाले प्रथम आदिवासी नेता थे — जोड़नांग

आधुनिक भारत में शिक्षा का विकास

- * भारत में अंग्रेजों ने प्रथम मदरसा स्थापित किया था — कलकत्ता में
- * 'एशियाटिक सोसायटी ऑफ बंगाल' के संस्थापक थे — सर विलियम जोंस
- * वाराणसी में प्रथम संस्कृत महाविद्यालय की स्थापना की थी — जोनाथन डंकन ने
- * दादाभाई नौरोजी, माइकल मधुसूदन दत्त, राजा राममोहन राय तथा विवेकानंद में से वह जिन्हें पेरिस की सेंट्रल एशियाटिक सोसायटी की सदस्यता प्रदान की गई थी — माइकल मधुसूदन दत्त
- * सर्वप्रथम 'भगवद्गीता' का अंग्रेजी में अनुवाद किया था — चार्ल्स विल्किंस ने
- * कालिदास की प्रसिद्ध रचना 'शकुंतला' का पहली बार अंग्रेजी में अनुवाद किया था — सर विलियम जोंस ने
- * स्वतंत्रता पूर्व अवधि में ब्रिटिश सरकार द्वारा भारत में आधुनिक शिक्षा के प्रसार का मुख्य उद्देश्य था — छोटे प्रशासनिक पदों पर नियुक्ति हेतु शिक्षित भारतीयों की आवश्यकता
- * ब्रिटिश सरकार के जिस अधिनियम ने सबसे पहली बार भारत में शिक्षा के लिए एक लाख रुपये दिए थे — चार्टर अधिनियम, 1813
- * चार्ल्स वुड का आदेश-पत्र संबंधित था — शिक्षा से
- * हिंदी का पहला समाचार-पत्र 'उदत्त मार्तंड' (30 मई, 1826) प्रकाशित हुआ था — कलकत्ता से
- * हंटर कमीशन की रिपोर्ट में विशेष जोर दिया गया — प्राथमिक शिक्षा के सुधार एवं विकास पर
- * नेशनल काउंसिल ऑफ एजुकेशन की स्थापना हुई — 15 अगस्त, 1906 को
- * सैडलर आयोग संबंधित था — शिक्षा से
- * शिक्षा में सुधार हेतु ब्रिटिश सरकार ने सैडलर विश्वविद्यालय आयोग नियुक्त किया — 1917 में
- * लॉर्ड मैकाले संबंधित हैं — अंग्रेजी शिक्षा से
- * भारत के औपनिवेशिक काम में अधोमुखी निर्यंदन सिद्धांत संबंधित था — शिक्षा क्षेत्र से
- * भारत की शैक्षणिक नीति में 'फिल्टरेशन थ्योरी' के प्रतिपादक थे — लॉर्ड मैकाले
- * भारत में आधुनिक शिक्षा प्रणाली की नींव पड़ी — 1835 के मैकाले के स्मरण-पत्र से

सम-सामयिक घटना वक्र

- * भारत में अंग्रेजी शिक्षा आरंभ की गई
— लॉर्ड विलियम कैवेंडिश बेंटिक के शासनकाल में
- * भारत में प्रथम तीन विश्वविद्यालय (कलकत्ता, मद्रास, बंबई) की स्थापना हुई
— 1857 ई. में
- * जिसके सतत प्रयत्नों से बंबई में प्रथम महिला विश्वविद्यालय की स्थापना हुई, वह है
— डी.के. कर्वे
- * डेक्कन एजुकेशनल सोसायटी की स्थापना से संबंधित थे
— बी.जी. तिलक
- * हिंदू कॉलेज, कलकत्ता, दिल्ली कॉलेज, मेयो कॉलेज तथा मुस्लिम एंग्लो-ओरियंटल कॉलेजों में सर्वप्रथम स्थापना हुई थी
— हिंदू कॉलेज, कलकत्ता की
- * डेविड हेयर और एलेक्जेंडर डफ़ के साथ मिलकर जिसने कलकत्ता में हिंदू कॉलेज की स्थापना की
— राजा राममोहन राय
- * बाल गंगाधर तिलक, स्वामी विवेकानंद, महात्मा गांधी तथा मदनमोहन मालवीय में से भारतीय विश्वविद्यालयों में धार्मिक शिक्षा के लिए प्रबल रूप से वकालत की थी
— मदनमोहन मालवीय ने
- * बनारस हिंदू विश्वविद्यालय का शिलान्यास किया था — लॉर्ड हार्डिंग ने
- * अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़; डॉ. भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ; बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी तथा इलाहाबाद विश्वविद्यालय में से सर्वप्रथम केंद्रीय विश्वविद्यालय घोषित किया गया
— बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी को

आधुनिक भारत में प्रेस का विकास

- * भारत का पहला समाचार-पत्र था
— बंगाल गजट
- * वेलेजली, हेस्टिंग्स, जॉन एडम्स तथा डलहौजी में से सर्वप्रथम प्रेस सेंसरशिप लागू की थी
— वेलेजली ने
- * 1878 का 'वर्नाकुलर प्रेस एक्ट' रद्द कर दिया था
— लॉर्ड रिपन ने
- * वर्नाकुलर प्रेस एक्ट का प्रवर्तन किया
— लॉर्ड लिटन ने
- * वह गवर्नर जनरल जिसके समय भारतीय भाषा प्रेस अधिनियम समाप्त किया गया
— लॉर्ड रिपन
- * पत्रकार के कर्तव्य का निर्वहन करते हुए जेल जाने वाला प्रथम भारतीय था
— बाल गंगाधर तिलक
- * अमेरिका में 'फ्री हिंदुस्तान' अखबार शुरू किया था
— तारकनाथ दास ने
- * फारसी साप्ताहिक 'मिरातुल अखबार' को प्रकाशित करते थे
— राजा राममोहन राय
- * 1880 के दशक में 'इंडियन मिरर' अखबार का प्रकाशन होता था
— कलकत्ता से
- * गदर-पत्र का प्रथम अंक प्रकाशित हुआ
— उर्दू भाषा में
- * गदर पार्टी का पत्र 'गदर' था
— एक साप्ताहिक-पत्र

- * 'अमृत बाजार पत्रिका' की स्थापना की — शिशिर कुमार घोष ने
 - * लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की सेवा के उद्देश्य से जो समाचार-पत्र प्रारंभ किया था, वह है — केसरी
 - * क्रांतिकारी काल की लोकप्रिय पत्रिकाएं जो अनेक कारणों से कांग्रेस की आलोचना करती थीं — बंगवासी, काल तथा केसरी
 - * वह समाचार पत्र, जिन्होंने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के काल में क्रांतिकारी आतंकवाद की वकालत की थी — संध्या, युगांतर तथा काल
 - * सोम प्रकाश नामक समाचार-पत्र शुरू किया था
— ईश्वरचंद्र विद्यासागर ने
 - * न्यू इंडिया, लीडर, यंग इंडिया तथा फ्री प्रेस जनरल अखबारों में से मुख्यतया उदारवादियों की नीतियों का प्रचारक था — लीडर
 - * 'दि इंडियन ओपीनियन' पत्र नहीं छापा जाता था — उर्दू भाषा में
 - * 'इंडियन ओपीनियन' पत्रिका के प्रथम संपादक थे
— मनसुखलाल नज़र
 - * एक साप्ताहिक के रूप में यंग इंडिया का शुभारंभ किया था
— होमरूल पार्टी ने
 - * भारतीयों द्वारा अंग्रेजी भाषा में प्रकाशित प्रथम समाचार-पत्र था
— हिंदू पैट्रियॉट
 - * नील आंदोलन का जमकर समर्थन करने वाले 'हिंदू पैट्रियॉट' के संपादक थे — हरिशचंद्र मुखर्जी
 - * अंग्रेजी साप्ताहिक 'वन्दे मातरम्' के साथ अपने को संबद्ध किया
— अरविंद घोष ने
 - * इंडियन नेशन, पंजाब केसरी, प्रभाकर तथा डॉन में से जिस अखबार का प्रकाशन पटना से होता था, वह है — इंडियन नेशन
 - * 'स्वदेशवाहिनी' के संपादक थे — के. रामकृष्ण पिल्लै
 - * अंग्रेजी पत्र 'इनडिपेंडेंट' जुड़ा था — मोतीलाल नेहरू से
 - * सही सुमेलित है—
- | सूची-I
(समाचार-पत्र) | | सूची-II
(भाषा) |
|-------------------------|---|-------------------|
| भारत मित्र | — | हिंदी |
| राष्ट्रमत | — | मराठी |
| प्रजामित्र | — | गुजराती |
| नायक | — | बंगाली |
| दैनिक आज | — | शिवप्रसाद गुप्त |
| द लीडर | — | मदन मोहन मालवीय |
| द नेशनल हेराल्ड | — | जवाहरलाल नेहरू |
| द पॉयनियर | — | जॉर्ज एलेन |
- * कानपुर से प्रकाशित जिस समाचार-पत्र के माध्यम से विजय सिंह पथिक ने बिजौलिया आंदोलन को समूचे भारत में चर्चा का विषय बना दिया, वह था — प्रताप
 - * 'हरिजन' के प्रारंभकर्ता थे — महात्मा गांधी

सम-सामयिक घटना चक्र

- * गांधीजी द्वारा शुरू किए गए एक साप्ताहिक-पत्र 'हरिजन' का प्रथम अंक 11 फरवरी, 1933 को प्रकाशित किया गया

— पूना (वर्तमान पुणे) से

- * मराठी पाक्षिक 'बहिष्कृत भारत' आरंभ किया था

— बी.आर. अम्बेडकर ने

- * अल-हिलाल, कॉमरेड, दि इंडियन सोशियोलॉजिस्ट तथा जर्मींदार में से वह जर्नल जो अबुल कलाम आजाद द्वारा प्रकाशित है — अल-हिलाल
- * वर्ष 1920 में लाहौर से लाजपत राय द्वारा जिस उर्दू समाचार-पत्र को प्रारंभ किया गया था, वह है — वन्दे मातरम्

- * सही सुमेलित है—

सूची-I
(समाचार-पत्र)

हिंदू
सुधारक
वॉयस ऑफ इंडिया
बंगाली
बॉम्बे क्रॉनिकल
कॉमनवील
लीडर
सर्चलाइट
इंडिपेंडेंट
जरिस्ट

सूची-II
(संपादक)

जी. सुब्रह्मण्यम अय्यर
जी. के. गोखले
दादाभाई नौरोजी
एस. एन. बनर्जी
फिरोजशाह मेहता
एनी बेसेंट
मदन मोहन मालवीय
सच्चिदानंद सिन्हा
मोतीलाल नेहरू
टी.एम. नायर

- * सही सुमेलित है—

सूची-I

अबुल कलाम आजाद
फिरोजशाह मेहता
एनी बेसेंट
महात्मा गांधी
लोकमान्य तिलक

सूची-II

अल-हिलाल
बॉम्बे क्रॉनिकल
न्यू इंडिया
यंग इंडिया
केसरी

- * 'कौमी आवाज' पत्र का आरंभ किया था — जवाहरलाल नेहरू ने

- * सही सुमेलित है—

नवजीवन
स्वराज्य
प्रभात
कौमी आवाज

एम.के. गांधी
टी. प्रकाशम्
एन.सी. केलकर
जवाहरलाल नेहरू

- * सही सुमेलित है—

महात्मा गांधी
बाल गंगाधर तिलक
एनी बेसेंट
बी.आर. अम्बेडकर
एनी बेसेंट
दादाभाई नौरोजी

यंग इंडिया
केसरी
कॉमनवील
मूक नायक
न्यू इंडिया
रास्त गोफ्तार

- * एनी बेसेंट द्वारा निकाले जाने वाले दो अखबार थे

— कॉमनवील, न्यू इंडिया

- * सही सुमेलित है—

बिपिन चंद्र पाल - न्यू इंडिया
अरबिंद घोष - वन्दे मातरम्
ब्रह्मबांधव उपाध्याय - संध्या
मुहम्मद अली - कॉमरेड

- * सही सुमेलित है—

एस.ए. डान्गे - द. सोशलिस्ट
मुजफ्फर अहमद - नवयुग
गुलाम हुसैन - इंकलाब
एम. सिन्नारवेतू - लेबर-किसान गज़ट

सामाजिक एवं धार्मिक सुधार आंदोलन

- * उन्नीसवीं शताब्दी के धर्म एवं समाज सुधार आंदोलनों ने जनसंख्या के जिस वर्ग को मुख्यतः आकर्षित किया, वह हैं

— बुद्धिजीवी, नगरीय उच्च जातिवां, उदार रजवाड़े

- * कथन (A) : 19वीं सदी के सामाजिक धार्मिक आंदोलनों के कारण भारत का आधुनिकीकरण हुआ।

कारण (R) : सामाजिक, धार्मिक आंदोलनों के मूल में बुद्धिवाद, वैज्ञानिक दृष्टिकोण तथा अन्य ऐसे विचार थे जो आधुनिकता के आधार माने जाते हैं।

— (A) व (R) दोनों सही हैं और (A) की सही व्याख्या (R) है।

- * कुलीन जर्मींदार, नवीन धनवान व्यापारी, शिक्षित हिंदू मध्यम वर्ग तथा शिक्षित मुसलमान में से वह वर्ग, जिसे सर्वप्रथम पश्चिमी सभ्यता ने प्रभावित किया — शिक्षित हिंदू मध्यम वर्ग

- * 'भारतीय जागृति' का जनक कहलाता है — राजा राममोहन राय

- * 'भारतीय पुनर्जागरण का पिता' कहा जाता है

— राजा राममोहन राय को

- * भारतीय राष्ट्रवाद का पैगम्बर माना जाता है

— राममोहन राय को

- * भारत का प्रथम 'आधुनिक पुरुष' माना जाता है

— राजा राममोहन राय को

- * राजा राममोहन राय द्वारा स्थापित प्रथम संस्था थी — आत्मीय सभा

- * राजा राममोहन राय द्वारा ब्रह्म समाज की स्थापना की गई

— 1828 ई. में

- * राममोहन राय को राजा उपाधि दी थी

— अकबर II ने

- * राजा राममोहन राय की समाधि है

— ब्रिस्टल, इंग्लैंड में

सम-सामयिक घटना बक

- * कलकत्ता यूनिटेरियन कमेटी, टेबरनेकल ऑफ न्यू डिस्पेंसेशन तथा इंडियन रिफॉर्म एसोसिएशन में से केशवचंद्र सेन का संबंध है
— टेबरनेकल ऑफ न्यू डिस्पेंसेशन तथा इंडियन रिफॉर्म एसोसिएशन की स्थापना से
- * भारतीय ब्रह्म समाज के संस्थापक थे — केशवचंद्र सेन
- * ब्रह्म समाज का सिद्धांत आधारित है — एकदेववाद पर
- * बाल विवाह, सती प्रथा, पाश्चात्य शिक्षा तथा मूर्ति पूजा में से वह जिसका विरोध राजा राममोहन राय ने नहीं किया था
— पाश्चात्य शिक्षा का
- * ब्रह्म समाज के बारे में, सही कथन है-
— इसने मूर्ति पूजा का विरोध किया, धार्मिक ग्रंथों की व्याख्या के लिए इसने पुरोहित वर्ग को अस्वीकारा।
- * उन्नीसवीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में 'नव हिंदूवाद' (New-Hinduism) के सर्वश्रेष्ठ प्रतिनिधि थे — स्वामी विवेकानंद
- * विवेकानंद ने शिकागो में आयोजित 'पार्लियामेंट ऑफ वल्ड्स रिलीजनस' में भाग लिया था — 1893 ई. में
- * प्रख्यात समाज सुधारक जिसने ज्ञानयोग, कर्मयोग तथा राजयोग नामक पुस्तकें लिखीं — स्वामी विवेकानंद
- * रामकृष्ण मिशन की स्थापना की थी — स्वामी विवेकानंद ने
- * स्वामी विवेकानंद ने रामकृष्ण मिशन की स्थापना की — 1897 ई. में
- * शारदामणि थी — रामकृष्ण परमहंस की पत्नी
- * दयानंद सरस्वती द्वारा स्थापित है — आर्य समाज
- * आर्य समाज की स्थापना का वर्ष है — 1875
- * वेदों के पुनरुत्थान का श्रेय है — स्वामी दयानंद सरस्वती को
- * 'वेदों की ओर चलो' कहा था — दयानंद सरस्वती ने
- * 'भारत का मार्टिन लूथर' कहलाता है — स्वामी दयानंद सरस्वती
- * 'सत्यार्थ प्रकाश' की रचना की गई थी
— स्वामी दयानंद सरस्वती द्वारा
- * 'सत्यार्थ प्रकाश' पवित्र पुस्तक है — आर्य समाज की
- * शुद्धि आंदोलन का समर्थन किया गया था — आर्य समाज द्वारा
- * "अच्छा शासन स्वशासन का स्थानापन्न नहीं है", कहा था
— स्वामी दयानंद ने
- * वह व्यक्ति जिसने सर्वप्रथम 'स्वराज्य' शब्द का प्रयोग किया और हिंदी को राष्ट्रभाषा माना — स्वामी दयानंद
- * तुलसीदास, राजा राममोहन राय, स्वामी विवेकानंद तथा दयानंद सरस्वती का सही कालक्रम है — तुलसीदास, राजा राममोहन राय, दयानंद सरस्वती, स्वामी विवेकानंद
- * महाराष्ट्र में 'प्रार्थना समाज' की स्थापना की थी
— आत्माराम पांडुरंग ने
- * महाराष्ट्र में प्रार्थना समाज का मुख्य संचालक था — एम.जी. रानाडे
- * 'देव समाज' के संस्थापक थे — शिवनारायण अग्निहोत्री
- * 1873 ई. में 'सत्यशोधक समाज' की स्थापना की — ज्योतिबा फुले ने
- * 'गुलामगिरी' का लेखक था — ज्योतिबा फुले
- * पिछड़े वर्गों का उत्थान मुख्य कार्यक्रम था — सत्यशोधक समाज का
- * सत्यशोधक समाज ने संगठित किया
— महाराष्ट्र में एक जाति-विरोधी आंदोलन
- * वह बंगाली नेता जिसने सामाजिक-धार्मिक सुधारों का विरोध किया और रुढ़िवादिता का समर्थन किया — राधाकांत देव
- * राधास्वामी सत्संग के संस्थापक थे — शिवदयाल साहब
- * महाराष्ट्र का वह सुधारक जिसे 'लोकहितवादी' कहा जाता था
— गोपाल हरि देशमुख
- * महाराष्ट्र में विधवा पुनर्विवाह हेतु अभियान का नेतृत्व किया — विष्णु परशुराम पंडित ने
- * 19वीं सदी के महानतम पारसी समाज सुधारक थे
— बहरामजी एम. मालाबारी
- * 'दि एज ऑफ कांसेंट एक्ट' पारित हुआ — 1891 में
- * उसका 'प्रधान संबल' (Principal Forte) था सामाजिक और धार्मिक सुधार, उसने सामाजिक बुराइयों के निराकरण के लिए विधान निर्माण का सहारा लिया और बाल विवाह, पर्दा प्रथा...के उन्मूलन के लिए अविराम परिश्रम किया, सामाजिक समस्याओं पर राष्ट्रीय स्तर पर विचार-विमर्श को प्रोत्साहित करने हेतु उसने भारतीय राष्ट्रीय सामाजिक सम्मेलन का उद्घाटन किया जिसके अधिवेशन बहुत वर्षों तक भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के साथ-साथ होते रहे, इस उद्घरण में संकेतित व्यक्ति हैं — महादेव गोविंद रानाडे
- * भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के समय, राष्ट्रीय सामाजिक सम्मेलन (नेशनल सोशल कॉन्फ्रेंस) का गठन किया गया था। इसके गठन के लिए उत्तरदायी कारण था
— भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस अपने कार्यक्रम में सामाजिक सुधारों को नहीं रखना चाहती थी। इसीलिए प्रस्तुत उद्देश्य के लिए उसने अलग से संगठन बनाने का सुझाव दिया
- * सही कथन हैं-
— केशवचंद्र सेन के नेतृत्व में ब्रह्म समाज ने नारी शिक्षा के लिए आंदोलन चलाया था। विनोबा भावे ने शरणार्थियों में काम करने के लिए सर्वोदय समाज की स्थापना की थी।
- * 1856 में कानून पारित हुए, वह हैं
— धार्मिक असुविधा कानून तथा हिंदू विधवा पुनर्विवाह कानून
- * पश्चिमी भारत के डी.के. कर्वे का नाम जिस संदर्भ में आता है, वह है
— स्त्री शिक्षा, विधवा पुनर्विवाह
- * वह व्यक्ति जिसने विधवा पुनर्विवाह के लिए संघर्ष किया और उसे कानूनी रूप से वैध बनाने में सफलता प्राप्त की — ईश्वरचंद्र विद्यासागर

सम-सामयिक घटना चक्र

* सही कथन हैं-

— 1829 ई. में विलियम बेंटिक ने सती प्रथा को कानून द्वारा अपराध घोषित कर दिया; 1856 ई. में सरकार ने कानून बनाया जिसके अनुसार, हिंदू विधवाएं पुनर्विवाह कर सकती थीं; 1875 ई. में स्वामी दयानंद सरस्वती द्वारा आर्य समाज की स्थापना की गई।

* 1843 के एक्ट V ने गैर-कानूनी बना दिया

— गुलामी (दासता) को

* 1872 में नेटिव मैरिज एक्ट को पारित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी

— केशवचंद्र सेन ने

* बाल विवाह प्रथा को नियंत्रित करने हेतु 1872 के सिविल मैरिज एक्ट ने लड़कियों के विवाह की न्यूनतम उम्र निर्धारित की — 14 वर्ष

* "1853 में जन्में ये पश्चिमी भारत के पारसी थे। ये "इंडियन स्पेक्टर" तथा "वॉयस ऑफ इंडिया" के संपादक थे। ये एक समाज सुधारक थे और सम्मति आयु अधिनियम, 1891 के पक्ष में प्रमुख संघर्षकर्ता थे।" इन तथ्यों से संबंधित हैं — बी.एम. मालाबारी

* शारदा अधिनियम के अंतर्गत लड़कियों एवं लड़कों के विवाह की न्यूनतम आयु क्रमशः निर्धारित की गई थी — 14 वर्ष एवं 18 वर्ष

* शारदा एक्ट संबंधित था — बाल विवाह प्रतिबंध से

* 'थियोसोफिकल सोसायटी' की स्थापना की — मैडम एच.पी. ब्लावेत्स्की ने

* भारत में थियोसोफिकल सोसायटी की सफलता मुख्यतः थी — एनी बेसेंट के कारण

* सही सुमेलित है-

राजा राममोहन राय	-	ब्रह्म समाज
स्वामी दयानंद सरस्वती	-	आर्य समाज
स्वामी विवेकानंद	-	रामकृष्ण मिशन
महादेव गोविंद रानाडे	-	प्रार्थना समाज

* सही सुमेलित है-

थियोसोफिकल सोसायटी	-	एनी बेसेंट
प्रार्थना समाज	-	डॉ. आत्माराम पांडुरंग
आत्मीय सभा	-	राजा राममोहन राय
भारतीय ब्रह्म समाज	-	केशवचंद्र सेन
राधास्वामी सत्संग	-	तुलसीराम

* सही सुमेलित है-

सूची-I	सूची-II
ब्रह्म समाज	- कलकत्ता
मानव धर्म सभा	- सूरत
आर्य समाज	- बंबई
नदवा-उल-उल्मा	- लखनऊ

* सही सुमेलित है-

सत्यशोधक समाज	- ज्योतिबा फुले
मोहम्मडन-एंग्लो ओरियंटल कॉलेज, अलीगढ़	- सर सैयद अहमद खां
तत्वबोधिनी सभा	- देवेन्द्रनाथ टैगोर
दि सर्वेंट्स ऑफ इंडिया सोसायटी	- गोपाल कृष्ण गोखले

* एम.सी. शीतलवाड़, बी.एन. राव तथा अल्लादि कृष्णस्वामी अय्यर प्रख्यात सदस्य थे — सर्वेंट्स ऑफ इंडिया सोसायटी के

* 'सर्वेंट्स ऑफ इंडिया सोसायटी' की स्थापना की थी — गोपाल कृष्ण गोखले ने

* 'बहुजन समाज' का संस्थापक था — मुकुंदराव पाटिल

* नाडारों द्वारा मंदिरों में प्रवेश के अधिकार की मांग की प्रस्तुति के कारण 1899 में भयंकर दंगे हुए थे — तिरुनेलवेली में

* "यदि भगवान् अस्पृश्यता को सहन करते हैं, तो मैं उन्हें कभी भगवान् नहीं मानूंगा" कहा था — बाल गंगाधर तिलक ने

* सही सुमेलित है-

सूची-I	सूची-II
राजा राममोहन राय	- यह कहा कि हिंदू धर्म का शुद्धतम रूप उपनिषदों में निहित है
केशवचंद्र सेन	- यह कहा कि ब्रह्मवाद को विश्व धर्म बनाना चाहिए
दयानंद सरस्वती	- हिंदू धर्म की पहचान वेदों में संस्थापित धर्म से की
रामकृष्ण परमहंस	- इस पर जोर दिया कि ईश्वर तक पहुंचने के कई मार्ग हो सकते हैं

* समाज सुधारक जो संस्कृत भाषा में प्रवीणता के लिए जाने जाते हैं — दयानंद सरस्वती, ईश्वरचंद्र विद्यासागर एवं राजा राममोहन राय

* सही कथन हैं-

— ब्रह्म समाज एकेश्वरवाद का समर्थन करता था; आर्य समाज ने शिक्षा के विकास में योगदान दिया; रामकृष्ण मिशन की स्थापना स्वामी विवेकानंद ने की।

* भारत में नारी-आंदोलन प्रारंभ हुआ — ज्योतिबा फुले की प्रेरणा से

* ब्रह्म समाज, रामकृष्ण मिशन और आर्य समाज में समानता थी — तीनों ही राजनैतिक उद्देश्यों के लिए नहीं बने, लेकिन तीनों ने ही देशभक्ति की भावना के विकास में सहायता दी।

* सही कथन हैं-

— डॉ. एनी बेसेंट थियोसोफिस्ट थीं; थियोसोफिकल सोसायटी का अंतरराष्ट्रीय मुख्यालय मद्रास में है; स्वामी दयानंद सरस्वती ने आर्य समाज की स्थापना की।

* 'दार-उल-उलूम' की स्थापना की थी — मौलाना हुसैन अहमद ने

सम-सामयिक घटना बक

- * देवबंद आंदोलन, यू.पी. (संयुक्त प्रांत) में आरंभ हुआ था
— 1866 ई. में
- * 1924 का बंगाल का 'तारकेश्वर आंदोलन' विरुद्ध था
— मंदिरों में भ्रष्टाचार का
- * 'हाली पद्धति' संबंधित थी
— बंधुआ मजदूर से

कांग्रेस से पूर्व स्थापित राजनीतिक संस्थाएं

- * भारत में जिस राजनीतिक संगठन की स्थापना 1838 ई. में हुई उसका नाम था
— जर्मींदारी एसोसिएशन
- * दि दक्कन एसोसिएशन, दि इंडियन एसोसिएशन, दि मद्रास महाजन सभा एवं दि पूना सार्वजनिक सभा में से जिसने 1875 ई. में हाउस ऑफ कॉमन्स में एक याचिका प्रस्तुत करते हुए ब्रिटिश संसद में भारत के प्रत्यक्ष प्रतिनिधित्व की मांग की, वह है
— दि पूना सार्वजनिक सभा
- * 'इंडियन एसोसिएशन' के संस्थापक थे
— एस.एन. बनर्जी
- * राष्ट्रीय कांग्रेस से पूर्व सबसे प्रमुख संस्था थी
— इंडियन एसोसिएशन ऑफ कलकत्ता
- * सत्येंद्रनाथ टैगोर, सुरेंद्रनाथ बनर्जी, आर.सी. दत्त तथा सुभाष चंद्र बोस में से वह नेता, जो ब्रिटिश द्वारा इंडियन सिविल सर्विस से बर्खास्त किया गया था
— सुरेंद्रनाथ बनर्जी
- * सुरेंद्रनाथ बनर्जी द्वारा स्थापित उस संगठन का नाम जिसका 1886 ई. में इंडियन नेशनल कांग्रेस में विलय हो गया
— इंडियन नेशनल कॉन्फ्रेंस
- * राजनैतिक सुधारों को लेकर विरोध करने वाले पहले भारतीय थे
— सुरेंद्रनाथ बनर्जी
- * सही कालक्रम है—
— बॉम्बे एसोसिएशन → इंडियन लीग → इंडियन एसोसिएशन → मद्रास महाजन सभा
- * मद्रास महाजन सभा की स्थापना की गई
— 1884 ई. में
- * 1885 में स्थापित बंबई प्रेसीडेंसी एसोसिएशन के संस्थापकों में से एक था
— फिरोजशाह मेहता
- * सही सुमेलित है—
ब्रिटिश इंडिया सोसायटी - लंदन
ईस्ट इंडिया एसोसिएशन - लंदन
नेशनल इंडिया एसोसिएशन - लंदन
इंडियन एसोसिएशन - कलकत्ता
- * संस्थाओं का सही कालक्रम है—
— बंगभाषा प्रकाशिका सभा, लैंडहोल्डर्स सोसायटी, बंगाल ब्रिटिश इंडिया सोसायटी, इंडियन लीग

- * सही सुमेलित है—

सूची-I (संगठन)	सूची-II (संस्थापक)
लैंड होल्डर्स सोसायटी	- द्वारकानाथ टैगोर
ब्रिटिश इंडिया सोसायटी	- विलियम एडम्स
इंडियन सोसायटी	- आनंद मोहन बोस
इंडियन एसोसिएशन	- एस.एन. बनर्जी

- * सही सुमेलित है—

सूची - I	सूची - II
इंडिया लीग	- शिशिर कुमार घोष
इंडियन एसोसिएशन	- आनंद मोहन बोस
भारतीय राष्ट्रीय उदार संघ	- सुरेंद्रनाथ बनर्जी
युनाइटेड इंडिया	- सैयद अहमद खान
पैट्रियाटिक एसोसिएशन	

- * सही सुमेलित है—

सूची-I	सूची-II
एशियाटिक सोसायटी ऑफ बंगाल	- 1784 ई.
एशियाटिक सोसायटी ऑफ बॉम्बे	- 1804 ई.
रॉयल एशियाटिक सोसायटी ऑफ ग्रेट ब्रिटेन	- 1823 ई.
लैंड होल्डर्स सोसायटी ऑफ बंगाल	- 1838 ई.

- * सही सुमेलित है—

सूची-I	सूची-II
ब्रिटिश इंडियन एसोसिएशन	- राधाकांत देव
बॉम्बे प्रेसीडेंसी एसोसिएशन	- के.टी. तैलंग
सेंट्रल मोहम्मडन नेशनल एसोसिएशन	- सैयद अमीर अली
सर्वेंट्स ऑफ इंडिया सोसायटी	- गोपाल कृष्ण गोखले

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस

- * भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना की थी
— ए.ओ. ह्यूम ने
- * भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के संस्थापक थे, एक
— असैनिक सेवक
- * भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना हुई
— 1885 ई. में
- * भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रथम अधिवेशन में भाग लेने वाले प्रतिनिधियों की संस्था थी
— 72
- * भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का प्रथम अधिवेशन हुआ था
— बंबई में
- * भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के पहले अध्यक्ष थे
— डब्ल्यू.सी. बनर्जी
- * भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का 1885 में महासचिव था
— ए.ओ. ह्यूम
- * भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना के समय भारत का वायसराय था
— लॉर्ड डफरिन
- * कांग्रेस को सूक्ष्मदर्शीय अल्पसंख्यक जनता का प्रतिनिधि बताते हुए उसका मज़ाक उड़ाया था
— लॉर्ड डफरिन ने

सम-सामयिक घटना चक्र

- * दादाभाई नौरोजी, जी. सुब्रमण्यम अय्यर, जस्टिस रानाडे तथा सुरेंद्रनाथ बनर्जी में से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के स्थापना अधिवेशन में उपस्थित नहीं था — सुरेंद्रनाथ बनर्जी
- * भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के दूसरे अधिवेशन की अध्यक्षता की — दादाभाई नौरोजी ने
- * कांग्रेस के लिए समर्थन प्राप्त करने के लिए 1889 ई. में एक समिति स्थापित की गई। उस समिति का सभापति था — विलियम डियू
- * भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सर्वप्रथम मुस्लिम अध्यक्ष थे — बदरुद्दीन तैयबजी
- * भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का प्रथम निर्वाचित यूरोपीय अध्यक्ष था — जॉर्ज यूले
- * फिरोजशाह मेहता, हकीम अजमल खान, खान अब्दुल गफ्फार खान तथा सर सैयद अहमद में से वह जो भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस से कभी संबद्ध नहीं रहे — सर सैयद अहमद
- * लाला लाजपत राय, एनी बेसेंट, मोतीलाल नेहरू तथा बाल गंगाधर तिलक में से वह जो भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अध्यक्ष कभी नहीं चुना जा सका — बाल गंगाधर तिलक
- * लाल, बाल और पाल त्रिगुट का व्यक्ति जो भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अध्यक्ष हुआ — लाला लाजपत राय
- * सुचेता कृपलानी, अरुणा आसफ अली, एनी बेसेंट तथा विजयलक्ष्मी पंडित में से भारतीय कांग्रेस की अध्यक्ष रहीं — एनी बेसेंट
- * वह अधिवेशन जिसके लिए कांग्रेस ने पहली बार एक महिला को अध्यक्ष चुना — कलकत्ता अधिवेशन, 1917
- * कांग्रेस की प्रथम भारतीय महिला अध्यक्ष थीं — सरोजिनी नायडू
- * सही कथन हैं—
— भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का दूसरा अधिवेशन दादाभाई नौरोजी की अध्यक्षता में हुआ था; भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस तथा मुस्लिम लीग; दोनों ने लखनऊ में 1916 में अधिवेशन किया तथा लखनऊ समझौता संपन्न किया।
- * भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का 27वां अधिवेशन हुआ — बांकीपुर में
- * भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का वह अधिवेशन जिसमें बाल गंगाधर तिलक ने अभिव्यक्त किया था, “स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है, मैं उसे लेकर रहूंगा” — लखनऊ अधिवेशन, 1916
- * सही कथन हैं—
— सी.आर. दास ने जब कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में कार्य किया, वे जेल में थे, अल्फ्रेड वेब (Alfred Webb) 1894 ई. में कांग्रेस के अध्यक्ष थे।
- * “कांग्रेस आंदोलन न तो लोगों द्वारा प्रेरित था, न ही यह उनके द्वारा सोचा या योजनाबद्ध किया गया था”, कहा था — सर सैयद अहमद ने
- * “कांग्रेस पतन के लिए लड़खड़ा रही है, मेरी सबसे बड़ी अभिलाषा, जब तक मैं भारत में हूँ, कांग्रेस की शांतिपूर्ण समाप्ति में सहयोग करना है”, यह कथन कहा था — लॉर्ड कर्जन ने
- * अध्यक्षीय संबोधन के समय, जिस कांग्रेस अध्यक्ष ने हिंदी भाषा के लिए रोमन लिपि लागू करने की वकालत की, वे थे — सुभाष चंद्र बोस
- * वह स्वतंत्रता सेनानी, जिन्होंने भारत के स्वातंत्र्य-प्राप्ति के बाद सुझाव दिया था कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को समाप्त कर दिया जाए — महात्मा गांधी
- * अमृतसर के भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस अधिवेशन, 1919 के प्रस्ताव के अनुसार, महात्मा गांधी द्वारा कांग्रेस का नया संविधान लिखने के लिए उनके सहयोग हेतु चुना गया — एन.सी. केलकर तथा आई.बी. सेन को
- * कांग्रेस के एक अधिवेशन में एक गवर्नर जनरल ने भाग लिया था। वह गवर्नर जनरल तथा अधिवेशन का स्थल था — लॉर्ड विलिंगटन, बंबई, 1915
- * भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का वह अधिवेशन जिसकी अध्यक्षता सी. विजय राघव चेरियार ने की थी — नागपुर अधिवेशन (1920)
- * कांग्रेस ने पहली बार भारतीय रियासतों के प्रति अपनी नीति घोषित की थी — नागपुर अधिवेशन में
- * 1922 में गया के इंडियन नेशनल कांग्रेस के अधिवेशन के अध्यक्ष थे — चितरंजन दास
- * भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्षों का सही क्रम है — महात्मा गांधी → श्रीमती सरोजिनी नायडू → जवाहरलाल नेहरू → वल्लभभाई पटेल
- * भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का एकमात्र अधिवेशन जिसकी अध्यक्षता महात्मा गांधी द्वारा की गयी थी — बेलगांव अधिवेशन (1924)
- * सही सुमेलन है—

सूची-I (अध्यक्ष)	सूची-II (भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की सभाओं के स्थान)
मोतीलाल नेहरू	— अमृतसर, 1919
सरोजिनी नायडू	— कानपुर, 1925
डॉ. राजेंद्र प्रसाद	— बंबई, 1934
अबुल कलाम आजाद	— रामगढ़, 1940
- * भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस था वह अधिवेशन जिसमें जवाहरलाल नेहरू ने समाजवाद को भारत की समस्याओं को हल करने की कुंजी बताया — लखनऊ अधिवेशन
- * वर्ष 1938 के भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के हरिपुरा अधिवेशन की अध्यक्षता की थी — सुभाष चंद्र बोस ने

सम-सामयिक घटना बक

* सही सुमेलित है—

सूची-I

(कांग्रेस अध्यक्ष)

डॉ. एम. ए. अंसारी

पुरुषोत्तम दास टंडन

सरोजिनी नायडू

सुभाष चंद्र बोस

सूची-II

(अधिवेशन स्थान)

मद्रास

नासिक

कानपुर

हरिपुरा

* लगातार छः वर्ष तक भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष थे

— अबुल कलाम आजाद

* जब भारत स्वतंत्र हुआ उस समय कांग्रेस के अध्यक्ष थे

— जे.बी. कृपलानी

* 'जन-गण-मन' पहली बार गाया गया था

— भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का कलकत्ता अधिवेशन, 1911 में

* भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अंतिम अधिवेशन जिसमें बाल गंगाधर तिलक ने भाग लिया था

— अमृतसर अधिवेशन, 1919

कांग्रेस में गरम दल और नरम दल

* कांग्रेस के नरम दल के नेताओं के आंदोलन की पद्धति थी

— राजावांमबध्य आंदोलन

* वह आंदोलन जिसके कारण भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का विभाजन हुआ परिणामस्वरूप 'नरम दल' और 'गरम दल' का उद्भव हुआ

— स्वदेशी आंदोलन

* अधिकतर नरमपंथी नेता थे

— शहरी क्षेत्रों से

* 1904 से लगातार भारत को 'स्वशासन' देने पर बल दिया

— दादाभाई नौरोजी ने

* बाल गंगाधर तिलक, मदनलाल, ऊधम सिंह तथा गोपाल कृष्ण गोखले में उग्रपंथी नहीं था

— गोपाल कृष्ण गोखले

* भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पर प्रार्थना, याचना तथा विरोध की राजनीति करने का आरोप लगाया

— बाल गंगाधर तिलक ने

* कांग्रेस की प्रार्थना और याचना की नीति अंततोगत्वा समाप्त हो गई

— बाल गंगाधर तिलक के नेतृत्व में

* भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन गरमपंथियों के प्रभावधीन आया

— 1906 के बाद

* अरविंद घोष, दादाभाई नौरोजी, जी.के. गोखले एवं एस.एन. बनर्जी में से कांग्रेस के गरम दल से संबंधित था

— अरविंद घोष

* राष्ट्रीय आंदोलन में बाल गंगाधर तिलक, दादाभाई नौरोजी, एम.जी. रानाडे तथा गोपाल कृष्ण गोखले में से नरमदलीय के तौर पर नहीं जाना जाता था

— बाल गंगाधर तिलक को

* 'शेर-ए-पंजाब' के नाम से मशहूर थे

— लाला लाजपत राय

* फिरोजशाह मेहता, दादाभाई नौरोजी, गोपाल कृष्ण गोखले तथा लाला लाजपत राय में से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में उदारवादियों से जुड़ा नहीं था

— लाला लाजपत राय

* लाला लाजपत राय ने अपना राजनीतिक गुरु माना था — मैजिनी को

* गोपाल कृष्ण गोखले, बाल गंगाधर तिलक, ए.ओ. ह्यूम एवं मदन मोहन मालवीय में मध्यममार्गी नहीं था

— बाल गंगाधर तिलक

* 'स्वदेशी' के समर्थक थे

— अरविंद घोष

* "भारतीय अशांति के जनक" के रूप में जाना जाता है

— लोकमान्य तिलक को

* बाल गंगाधर तिलक को 'अशांति का जनक' कहा

— वेलेंटाइन शिरोल ने

* बी.जी. तिलक को सजा के पश्चात् जिसने दया की वकालत की थी और कहा था : "संस्कृत के एक विद्वान के रूप में तिलक में मेरी दिलचस्पी है।"

— मैक्स मुलर ने

* 1908 में 6 वर्ष के कारावास की सजा स्वतंत्रता संग्राम के जिस उग्रवादी नेता को दी गई थी, वह हैं

— बाल गंगाधर तिलक को

* भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के प्रारंभिक दौर में उग्रवादी विचारधारा को निरूपित करता है

— सांविधानिक साधनों एवं याचिकाओं के स्थान पर आक्रामक

साधनों से स्वशासन प्राप्त करना।

* भारतीय मुसलमान, सामान्य रूप से उग्रवादी आंदोलन की ओर आकर्षित नहीं हुए, इसका कारण था

— उग्रवादियों की हिंदू अतीत का राग अलापने की नीति

* कथन (A) : बाल गंगाधर तिलक सांप्रदायिकतावादी थे।

कारण (R) : उन्होंने धर्म का राजनैतिक अस्त्र के रूप में प्रयोग किया।

— (A) गलत है परंतु (R) सही है।

* महाराष्ट्र में गणपति पर्व का श्रीगणेश किया था

— बी.जी. तिलक ने

* वह व्यक्ति, जिसने महाराष्ट्र के गणपति उत्सव का ऐसा कायाकल्प किया कि वह एक राष्ट्रीय उत्सव हो गया और उसका स्वरूप राजनैतिक हो गया

— बाल गंगाधर तिलक

* वह मुसलमान, जिसने महात्मा गांधी के साथ बाल गंगाधर तिलक की अर्थो उठाई थी

— शौकत अली

भारत में क्रांतिकारी आंदोलन

* क्रांतिकारियों के एक गुप्त समाज 'अभिनव भारत' का गठन किया था

— वी.डी. सावरकर ने

* 1905 में क्रांतिकारी संगठन 'अभिनव भारत' संगठित किया गया था

— महाराष्ट्र में

* 'मित्र मेला' संघ को शुरू किया था

— विनायक दामोदर सावरकर ने

सम-सामयिक घटना चक्र

- * वी.डी. सावरकर के बारे में सही कथन हैं
 - उन्होंने 'अभिनव भारत' नामक क्रांतिकारी संगठन की स्थापना की; भारतीय राष्ट्रवादियों को प्रेरित करने के उद्देश्य से उन्होंने मैजिनी की जीवनी लिखी; उन्होंने 'भारत का स्वतंत्रता संग्राम 1857' नामक पुस्तक लिखी जो 1857 के विद्रोह का एक राष्ट्रवादी दृष्टिकोण प्रदान करती है; ब्रिटिश कैद से मुक्त होने के लिए वे एक चलते जहाज से कूद पड़े।
- * हेडगेवार ने राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की स्थापना की — 1925 में
- * 'अनुशीलन समिति' की स्थापना की थी — पी. मित्रा ने
- * बरार्दी कुमार घोष के क्रिया-कलापों ने जिस गुप्त क्रांतिकारी संगठन को बंगाल में जन्म दिया, वह है — अनुशीलन समिति
- * बाल गंगाधर तिलक को लोकमान्य विशेषण दिया गया
 - क्रांतिकारी आंदोलन के दौरान
- * स्वतंत्रता आंदोलन के क्रांतिकारी आतंकवादियों के पहले महत्वपूर्ण साहसिक कार्य बर्रा डकैती का स्थान था — पूर्वी बंगाल में
- * मुजफ्फरपुर में किंग्सफोर्ड की हत्या का प्रयास किया गया
 - 1908 में
- * मुजफ्फरपुर बम कांड (1908) का संबंध है — प्रफुल्ल चाकी से
- * वह व्यक्ति जिसने बड़ी बुद्धिमानी के साथ अलीपुर षड्यंत्र मामले में अरविंद घोष का बचाव किया — चितरंजन दास
- * 'हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन' की स्थापना हुई — 1924 में
- * हिंदुस्तान रिपब्लिकन संगठन की स्थापना की गई थी — कानपुर में
- * भगत सिंह, चंद्रशेखर आज़ाद, राम प्रसाद बिस्मिल तथा शिव वर्मा में से हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (एच.आर.ए.) का सदस्य नहीं था
 - शिव वर्मा
- * अपनी फांसी से पूर्व जिसने पीने हेतु दिए गए दूध को अस्वीकार कर दिया और कहा, "अब मैं केवल अपनी मां का दूध लूंगा।"
 - रामप्रसाद बिस्मिल
- * "सरफरोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है, देखना है जोर कितना बाजू-ए-कातिल में है।" यह पंक्ति लिखी थी
 - रामप्रसाद बिस्मिल ने
- * अंग्रेजी सरकार ने काकोरी षड्यंत्र के मामले में फांसी पर चढ़ा दिया था
 - रामप्रसाद बिस्मिल को
- * काकोरी षड्यंत्र केस हुआ — 1925 में
- * रामप्रसाद बिस्मिल, रोशन सिंह, भगत सिंह तथा अशफाकुल्लाह खां क्रांतिकारियों में से काकोरी षड्यंत्र केस से जुड़ा नहीं है
 - भगत सिंह
- * शर्चींद्रनाथ बक्शी, मुकुंदी लाल, चंद्रशेखर आजाद एवं मंमथनाथ गुप्त में से काकोरी कांड से जुड़ा वह क्रांतिकारी जो मुकदमे से बच निकला था
 - चंद्रशेखर आजाद
- * अशफाकुल्लाह खां, राजेंद्र लाहिड़ी, रामप्रसाद बिस्मिल तथा चंद्रशेखर आज़ाद में से वह जो 'काकोरी षड्यंत्र कांड' में फांसी की सजा से बच गया था
 - चंद्रशेखर आज़ाद
- * काकोरी कांड मुकदमे में सरकारी वकील था
 - जगत नारायण मुल्ला
- * "दरो-दीवार पे हसरत की नजर करते हैं, खुश रहो अहले-वतन हम तो सफर करते हैं", कहा था
 - वाजिद अली शाह ने
- * हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन गठित की गई थी
 - चंद्रशेखर आजाद द्वारा
- * बहरी ब्रिटिश सरकार को सुनाने हेतु केंद्रीय विधानसभा में अप्रैल 8, 1929 को बम फेंका था — भगत सिंह तथा बटुकेश्वर दत्त ने
- * हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन के संस्थापक नेताओं में एक थे — भगत सिंह
- * शर्चींद्र सान्याल द्वारा स्थापित 'हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन' का नाम बदलकर 'हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन' कर दिया था
 - चंद्रशेखर आजाद ने
- * वर्ष 1928 में हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन की स्थापना हुई थी — दिल्ली में
- * क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद को अंग्रेजों ने मार डाला था
 - मुठभेड़ में गोलियों से
- * 'इंकलाब जिंदाबाद' का नारा दिया — भगत सिंह ने
- * भगत सिंह, राजगुरु तथा सुखदेव को फांसी दी गई
 - 23 मार्च, 1931 को
- * वह 'वाद' (केस) जिसमें भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को फांसी की सजा सुनाई गई थी
 - लाहौर षड्यंत्र केस में
- * भगत सिंह का स्मारक स्थित है
 - फिरोज़पुर में
- * लाहौर षड्यंत्र कांड में बटुकेश्वर दत्त, सुखदेव, सरदार भगत सिंह तथा राजगुरु में से फांसी नहीं हुई थी
 - बटुकेश्वर दत्त को
- * भारतीय स्वतंत्रता के लिए फांसी पाने वाले प्रथम रिकॉर्डेड मुस्लिम का नाम है
 - अशफाकुल्लाह खां
- * मुकदमों का सही क्रम है-
 - लाहौर मुकदमा → कानपुर मुकदमा → काकोरी मुकदमा → मेरठ मुकदमा
- * सही सुमेलित है-

हावड़ा षड्यंत्र प्रकरण	- 1910
विक्टोरिया षड्यंत्र प्रकरण	- 1914
लाहौर षड्यंत्र प्रकरण	- 1916 और 1930
काकोरी षड्यंत्र प्रकरण	- 1925
- * मुजफ्फर अहमद, एस.ए. डांगे, शौकत उस्मानी तथा नलिनी गुप्ता जिस षड्यंत्र के लिए कैद किए गए थे, वह था
 - कानपुर बोलशेविक षड्यंत्र कांड

सम-सामयिक घटना बक

- * प्रसिद्ध चटगांव शस्त्रागार धावा (Chattagaon Armoury Raid) आयोजित किया था — सूर्यसेन ने
- * स्वतंत्रता संग्राम के सबसे कम आयु के शहीद थे — खुदीराम बोस
- * सही सुमेलित है—

सूची-I	सूची-II
अभिनव भारत	- वी.डी. सावरकर
अनुशीलन समिति	- अरविंद घोष
गदर पार्टी	- लाला हरदयाल
स्वराज पार्टी	- सी.आर. दास

- * सही सुमेलित है—

सूची-I	सूची-II
(संगठन)	(संस्थापक)
अभिनव भारत	- जी.डी. सावरकर
मित्र मेला	- वी.डी. सावरकर
इंडियन रिपब्लिकन आर्मी	- एस. सेन
हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन	- एस. एन. सान्याल

- * सही सुमेलित है—

सूची-I	सूची-II
चटगांव शस्त्रागार हमला	- सूर्यसेन
काकोरी षड्यंत्र	- रामप्रसाद बिस्मिल
लाहौर षड्यंत्र	- जतिन दास
गदर पार्टी	- लाला हरदयाल

- * जतिन दास जिस आरोप में बंदी बनाए गए थे, वह था — लाहौर षड्यंत्र
- * जेल में भूख हड़ताल के कारण जिस स्वतंत्रता संग्राम सेनानी की मृत्यु हुई, वह था — जतिन दास

- * सही सुमेलित है—

सूची-I	सूची-II
जतिन दास	- भूख हड़ताल
चंद्रशेखर आजाद	- मुठभेड़ के दौरान
भगत सिंह	- फांसी
कल्पना दत्त	- आजीवन कारावास

- * सही सुमेलित है—

सूची-I	सूची-II
चटगांव आर्मेरी रेड	- कल्पना दत्त
अभिनव भारत	- विनायक दामोदर सावरकर
अनुशीलन समिति	- अरविंद घोष
कूका आंदोलन	- गुरु रामसिंह

- * काकोरी केस के अभियुक्तों के बचाव हेतु एक समिति का गठन हुआ था — गोविंद बल्लभ पंत की अध्यक्षता में

- * सही सुमेलित है—

सूची-I (संघ)	सूची-II (संस्थापक)
रिवोल्ट ग्रुप	- सूर्यसेन
हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन	- रामप्रसाद बिस्मिल
हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन	- चंद्रशेखर आजाद
पंजाब नौजवान भारत सभा	- भगत सिंह

- * अभिनव भारत, अनुशीलन समिति, न्यू नेशनलिस्ट पार्टी तथा इंडियन पैट्रियॉट एसोसिएशन में से क्रांतिकारी गतिविधियों में लिप्त संगठन थे — अभिनव भारत तथा अनुशीलन समिति

- * 'निष्क्रिय विरोध' के सिद्धांत का प्रतिपादन किया — अरविंद घोष ने

- * सही कथन हैं—
— सुभाष चंद्र बोस ने फारवर्ड ब्लॉक का गठन किया, भगत सिंह हिंदुस्तान रिपब्लिकन सोशलिस्ट एसोसिएशन के संस्थापकों में से एक थे।

- * रामप्रसाद बिस्मिल, राजेंद्र लाहरी, रोशन सिंह तथा अशफाकुल्लाह खां में से वह क्रांतिकारी जिसकी फांसी गोरखपुर जेल में हुई थी — रामप्रसाद बिस्मिल

- * फिरोजशाह मेहता, गोपाल कृष्ण गोखले एवं बिपिन चंद्र पाल में से वह जो एक उग्रवादी था — बिपिन चंद्र पाल

- * शांति घोष, सुनीति चौधरी, बीना दास तथा कल्पना दत्त (जोशी) में से वह महिला क्रांतिकारी जिसने दीक्षांत समारोह में अपनी उपाधि (डिग्री) ग्रहण करते समय अंग्रेज गवर्नर (कुलाधिपति) पर गोली चलाई थी — बीना दास ने

- * "आलोचना और स्वतंत्र चिंतन एक क्रांतिकारी की दो विशेषताएं हैं", कहा था — भगत सिंह ने

भारत से बाहर क्रांतिकारी गतिविधियां

- * लंदन में इंडियन होमरूल सोसायटी को प्रारंभ किया — श्यामजी कृष्ण वर्मा ने
- * 'इंडियन होमरूल सोसायटी' स्थापित हुई थी — 1905 में
- * वी.डी. सावरकर, रासबिहारी बोस, मदनलाल धींगरा तथा लाला हरदयाल में से 'गदर पार्टी' का गठन किया — लाला हरदयाल ने
- * गदर पार्टी की स्थापना हुई — 1913 में
- * गदर आंदोलन की स्थापना की थी — सोहन सिंह भाकना ने
- * गदर पार्टी का पहला सभापति है — सोहन सिंह भाकना
- * प्रथम विश्व युद्ध के दौरान सक्रिय होने वाले गदर क्रांतिकारियों का आधार स्थल था — पश्चिमी अमेरिका
- * गदर पार्टी की स्थापना हुई थी — संयुक्त राज्य अमेरिका में

सम-सामयिक घटना चक्र

* गदर क्या था

— भारतीयों का एक क्रांतिकारी संघ, जिसका प्रधान कार्यालय सैन फ्रांसिस्को में था

* गदर क्रांति छिड़ने का सबसे महत्वपूर्ण कारण था

— प्रथम महायुद्ध का शुरु होना

* वह व्यक्ति जिसने विदेश में गणतंत्रात्मक सरकार की संस्थापना की थी — महेंद्र प्रताप

* वह स्थान, जहां प्रथम महायुद्ध के दौरान भारत की एक अंतिम सरकार बनी थी जिसके प्रेसीडेंट राजा महेंद्र प्रताप थे— अफगानिस्तान

* 'भारतीय क्रांति की मां' कहलाती है — भीकाजी रुस्तम कामा

* मैडम भीकाजी कामा से संबंधित सही कथन हैं

— मैडम कामा दादामाई नौरोजी की निजी सचिव रहीं, मैडम कामा के माता-पिता पारसी थे।

* वह महिला जिसने भारतीय तिरंगा सबसे पहले फहराया था

— भीकाजी कामा ने

* मैडम कामा ने 1907 में प्रथम तिरंगा ध्वज फहराया था

— स्टुटगार्ट में

* वह व्यक्ति जिसे इंग्लैंड में अंग्रेज अधिकारियों की हत्या के आरोप में फांसी की सजा मिली — मदनलाल दींगरा तथा ऊधम सिंह को

* वह बात, जो मैडम भीकाजी कामा, एम. बरकतुल्ला, वी.वी.एस. अय्यर और एम.एन. रॉय में समान थी

— वे सभी प्रमुख क्रांतिकारी थे और स्वतंत्रता आंदोलन की अवधि में भारत से बाहर विविध देशों में काम कर रहे थे

* कामागाटामारु

— कनाडा की यात्रा पर निकला एक जलपोत था

* सरदार अजित सिंह, बाबा गुरदीप सिंह, वी.डी. सावरकर एवं सरदार भगत सिंह में से 'कामागाटामारु घटना' से संबंधित था

— बाबा गुरदीप सिंह

* 'इंडिपेंडेंस लीग' की स्थापना की थी

— रासबिहारी बोस ने

बंगाल विभाजन (1905) तथा स्वदेशी आंदोलन

* हड़प नीति, बंगाल का विभाजन, स्थायी बंदोबस्त तथा सहायक संधि में सबसे बाद में हुआ — बंगाल का विभाजन (16 अक्टूबर, 1905)

* बंग-भंग विरोधी आंदोलन का प्रारंभ हुआ — 7 अगस्त, 1905 को

* वह आंदोलन, जो बंग-भंग के बाद शुरू हुआ था — स्वदेशी आंदोलन

* बंगाल का विभाजन करने वाला गवर्नर जनरल था — लॉर्ड कर्जन

* बंगाल के विभाजन के समय, बंगाल का लेफ्टिनेंट गवर्नर था

— सर एन्ड्रयू फ्रेजर

* बंगाल विभाजन (1905) के विरोध में हुए आंदोलन का नेतृत्व किया था — सुरेंद्रनाथ बनर्जी ने

* डब्ल्यू.सी. बनर्जी, एस.एन. बनर्जी, आर.एन. टैगोर तथा बी.जी. तिलक में से वह जो 'स्वदेशी' आंदोलन का आलोचक था एवं पूर्व तथा पश्चात्य के मध्य एक बेहतर संबंध का समर्थक था

— आर.एन. टैगोर

* बंगाल में ब्रिटेन की वस्तुओं के बहिष्कार का सुझाव सर्वप्रथम दिया था

— कृष्ण कुमार मित्र ने

* ब्रिटिश वस्तुओं के बहिष्कार को राष्ट्रीय नीति के रूप में अपनाया गया था — 1905 में

* बंगाल का विभाजन मुख्यतः किया गया था

— बंगाली राष्ट्रवाद की वृद्धि को दुर्बल करने के लिए

* बंगाल विभाजन के विरुद्ध राष्ट्रवादियों द्वारा प्रारंभ किए गए कार्यक्रम

— बायकाट, स्वदेशी, राष्ट्रीय शिक्षा

* 'स्वदेशी' और 'बहिष्कार' पहली बार संघर्ष की विधि के रूप में अपनाए गए थे — बंगाल विभाजन के विरुद्ध आंदोलन के दौरान

* बंगाल 1905 ई. में विभाजित हुआ जिसके विरोध के फलस्वरूप यह दुबारा विभाजित हुआ — 1911 में

* मद्रास में स्वदेशी आंदोलन का नेतृत्व किया था — चिदंबरम पिल्लै ने

* स्वदेशी आंदोलन का नेतृत्व दिल्ली में किया था

— सैयद हैदर रज़ा ने

* महिलाएं, कृषक, मुसलमान तथा बुद्धिजीवी वर्गों में से 1905 के स्वदेशी आंदोलन से मुख्यतः अप्रभावित रहे — कृषक तथा मुसलमान

* वह आंदोलन जिसके दौरान 'वन्दे मातरम्' भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन का शीर्षक गीत बना — स्वदेशी आंदोलन

* स्वदेशी की भावना से ओत-प्रोत भारत के चरमपंथी राष्ट्रवादी आंदोलन काल के संदर्भ में, सही कथन नहीं है

— लियाक़त हुसैन ने बारिसाल के मुस्लिम किसानों के आंदोलनों में उनका नेतृत्व किया।

* ब्रिटिश पत्रकार एच.डब्ल्यू. नेविन्सन जुड़े थे — स्वदेशी आंदोलन से

* भारत की प्राचीन कला परंपराओं को पुनर्जीवित करने के लिए एक 'इंडियन सोसायटी ऑफ ओरिएंटल आर्ट' की स्थापना की थी

— अबनींद्रनाथ टैगोर ने

कांग्रेस : बनारस, कलकत्ता एवं सूरत अधिवेशन

* भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के 1905 के बनारस अधिवेशन का अध्यक्ष था — गोपाल कृष्ण गोखले

* 1906 में कलकत्ता कांग्रेस अधिवेशन की अध्यक्षता की थी

— दादामाई नौरोजी ने

सम-सामयिक घटना वक्र

- * 18 वर्ष की आयु में स्नातक, 20 वर्ष की आयु में प्रोफेसर तथा सुधारक के सह-संपादक, 25 वर्ष की आयु में सार्वजनिक सभा और प्रांतीय सम्मेलन के मंत्री, 29 वर्ष की आयु में राष्ट्रीय कांग्रेस के मंत्री, 31 वर्ष की आयु में महत्वपूर्ण रॉयल कमीशन के समक्ष अग्रणी प्रवाह, 34 वर्ष की आयु में प्रांतीय विधायक, 36 वर्ष की आयु में इम्पीरियल विधायक, 39 वर्ष की आयु में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष..... एक देश भक्त जिसे महात्मा गांधी ने स्वयं अपना गुरु माना है।" इन शब्दों में एक जीवनीकार ने वर्णन किया है — गोपाल कृष्ण गोखले का
- * कांग्रेस ने 'स्वराज' प्रस्ताव वर्ष 1905 में पारित किया। प्रस्ताव का उद्देश्य था — स्वशासन सुनिश्चित करना
- * स्वराज को बतौर राष्ट्रीय मांग के रूप में सर्वप्रथम रखा था — दादामाई नौरोजी ने
- * कांग्रेस के मंच से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के जिस अधिवेशन में प्रथम बार 'स्वराज' शब्द व्यक्त किया गया था, वह है — कलकत्ता अधिवेशन, 1906
- * 'स्वराज' शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम किया — दयानंद सरस्वती ने
- * भारत में 'ग्रेड ओल्ड मैन' की संज्ञा दी जाती है — दादामाई नौरोजी को
- * दादामाई नौरोजी के विषय में सत्य कथन हैं — उन्होंने 'पॉवर्टी एंड अनब्रिटिश रूल इन इंडिया' पुस्तक लिखी थी, उन्होंने गुजराती के प्रोफेसर के रूप में यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन में कार्य किया था, उन्होंने बंबई में महिला शिक्षा की नींव रखी थी
- * दादामाई नौरोजी के विषय में सत्य हैं- — वह पहले भारतीय थे जो एलफिंस्टन कॉलेज, बंबई में गणित एवं भौतिकी के प्रोफेसर नियुक्त हुए थे, 1892 ई. में उन्हें ब्रिटिश पार्लियामेंट का एक सदस्य निर्वाचित किया गया था, उन्होंने एक गुजराती पत्रिका, 'रस्ट गोपतार' का आरंभ किया था।
- * ब्रिटिश पार्लियामेंट में चुना जाने वाला प्रथम भारतीय था — दादामाई नौरोजी
- * नरम दल और गरम दल के रूप में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का विभाजन हुआ — सूरत अधिवेशन में
- * 1907 के भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सूरत के वार्षिक अधिवेशन के अध्यक्ष थे — आर.बी. घोष
- * भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के वर्ष 1906 में विख्यात कलकत्ता अधिवेशन में चार संकल्प पारित किए गए थे। सूरत में 1907 में हुए कांग्रेस के अगले अधिवेशन में इन चारों संकल्पों को स्वीकार करने अथवा उन्हें अस्वीकृत करने के प्रश्न पर कांग्रेस में विभाजन हो गया था। एक संकल्प जो इन चारों संकल्पों में नहीं था — बंगाल के विभाजन को रद्द करना

- * बीसवीं सदी के प्रारंभिक वर्षों में कांग्रेस में विभाजन की प्रक्रिया शुरू हुई — कांग्रेस आंदोलन की रणनीतियों पर; कांग्रेस आंदोलन के उद्देश्यों पर; कांग्रेस आंदोलन में लोगों की भागीदारी पर
- * भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का प्रथम विभाजन हुआ — 1907 में
- * सूरत विभाजन का नेतृत्व किया था — तिलक ने
- * वर्ष 1907 में सूरत में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के विभाजन का मुख्य कारण था — अंग्रेजी सरकार के साथ नरमपंथियों की वार्ता करने की क्षमता के बारे में चरमपंथियों में विश्वास का अभाव

मुस्लिम लीग का गठन (1906)

- * सर सैयद अहमद खां, सर मोहम्मद इकबाल, आगा खां तथा नवाब सलीमुल्लाह खान में से ऑल इंडिया मुस्लिम लीग की स्थापना की थी — नवाब सलीमुल्लाह खान ने
- * 1906 में मुस्लिम लीग की स्थापना हुई थी — ढाका में
- * मुस्लिम लीग का प्रथम अध्यक्ष था — आगा खां
- * 1907 में मुस्लिम लीग का वार्षिक अधिवेशन हुआ था — कराची में
- * कथन (A) : लीग ने कांग्रेस के मुस्लिम जनता के साथ मिलकर उद्देश्य पूर्ति में लगाने के अधिकार को मानने से मना कर दिया। कारण (R) : वैसा अधिकार अकेली मुस्लिम लीग का ही था। — (A) सही है परंतु (R) गलत है।
- * भारतीय स्वाधीनता संघर्ष के संदर्भ में, सत्य है — हकीम अजमल खान राष्ट्रवादी तथा चरमपंथी अहरार आंदोलन शुरू करने वाले नेताओं में से थे; भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के संगठन के समय सर सैयद अहमद खान ने इसका विरोध किया; मौलाना बरकतुल्ला और मौलाना अब्दुल्ला सिंधी काबुल में भारत की अंतःकालीन सरकार का गठन करने वालों में से थे।
- * 1906 में लार्ड मिंटो से शिमला में मिले मुसलमानों के शिष्टमंडल ने प्रार्थना की — मुसलमानों के लिए पृथक निर्वाचक वर्ग
- * 1908 में अखिल भारतीय मुस्लिम लीग की एक लंदन शाखा की स्थापना हुई — अमीर अली की अध्यक्षता में

मार्ले-मिंटो सुधार

- * मार्ले-मिंटो सुधार बिल पारित किया गया — 1909 में
- * 1909 के इंडियन काउंसिल एक्ट में व्यवस्था की गई थी — सांप्रदायिक प्रतिनिधित्व की
- * राष्ट्रीय आंदोलन की अवधि में जिस घटना में मतभेद में बीज थे और वह जिसने अंततः देश का विभाजन कराया, थी — विधान सभाओं में मुसलमानों के लिए पृथक निर्वाचन क्षेत्रों और स्थानों का आरक्षण

दिल्ली दरबार और राजधानी परिवर्तन

- * ब्रिटिश काल में दिल्ली के पहले भारत की राजधानी थी — कलकत्ता
- * 1912 ई. में जब राजधानी कलकत्ता से दिल्ली लाई गई उस समय भारत का वायसराय था — लॉर्ड हार्डिंग
- * दिल्ली भारत की राजधानी बनी — 1911 में
- * नोट—1911 में बंगाल विभाजन को रद्द कर भारत की राजधानी कलकत्ता से दिल्ली स्थानांतरित करने की घोषणा की गई। 1 अप्रैल, 1912 को दिल्ली राजधानी बनाई गई।
- * वह जिसके राजकीय प्रवेश के अवसर पर दिल्ली में बम फेंका गया था — लॉर्ड हार्डिंग पर
- * ब्रिटिश शासन के दौरान बिहार को एक अलग प्रांत का दर्जा प्राप्त हुआ — 1912 में

कांग्रेस का लखनऊ अधिवेशन

- * दिसंबर, 1916 में इंडियन नेशनल कांग्रेस तथा इंडियन मुस्लिम लीग ने एक ही समय अपने अधिवेशन आयोजित किए थे — लखनऊ में
- * 1916 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के लखनऊ अधिवेशन की अध्यक्षता की थी — ए.सी. मजूमदार ने
- * कांग्रेस और मुस्लिम लीग के बीच प्रसिद्ध लखनऊ समझौते पर हस्ताक्षर हुआ था — 1916 में
- * अतिवादियों एवं उदारवादियों के पुनर्मिलन की प्रक्रिया में प्रमुख शिल्पी थीं — एनी बेसेंट
- * वर्ष 1916 में मुस्लिम लीग और कांग्रेस के मध्य समझौता कराया था — बी.जी. तिलक ने
- * कांग्रेस के 1916 के लखनऊ अधिवेशन में लिया गया मुख्य दूरगामी परिणाम वाला निर्णय था — मुस्लिम लीग की पृथक निर्वाचन क्षेत्र की मांग स्वीकार की गयी
- * इंडियन नेशनल कांग्रेस और मुस्लिम लीग के बीच मतैक्य का काल प्रदर्शित करता है — 1916-1922
- * 1916 के लखनऊ के कांग्रेस अधिवेशन के विषय में सत्य है — इस अधिवेशन में उदारवादियों और उग्रवादियों के बीच पुनः मेल स्थापित हुआ था, महात्मा गांधी पहली बार चंपारन के किसानों की समस्याओं से अवगत कराए गए।

होमरूल लीग आंदोलन

- * होमरूल लीग आंदोलन सर्वप्रथम आरंभ किया — एनी बेसेंट ने
- * 1915-16 में दो होमरूल लीग आरंभ की गई थी — तिलक एवं एनी बेसेंट के नेतृत्व में

- * एनी बेसेंट मुख्यतः संबद्ध रही हैं — गृहशासन आंदोलन से
- * प्रथम विश्व युद्ध के दौरान आंदोलन जो भारत में लोकप्रिय हुआ था, वह था — होमरूल आंदोलन
- * बाल गंगाधर तिलक, एनी बेसेंट, एम. सुब्रह्मण्यम अय्यर तथा टी. एस. ऑल्कोट में से जिसका योगदान होमरूल लीग की स्थापना में नहीं था — टी. एस. ऑल्कोट का
- * सी.आर. दास, एस. सुब्रह्मण्यम अय्यर, एनी बेसेंट तथा बी.जी. तिलक में से होमरूल आंदोलन से नहीं जुड़ा था — सी.आर. दास
- * होमरूल समर्थक अपनी राजनीतिक शक्ति का सफलतापूर्वक प्रदर्शन कर सके — कांग्रेस के 1916 के लखनऊ अधिवेशन में
- * होमरूल आंदोलन भारत के स्वतंत्रता संग्राम के एक नए चरण के आरंभ का द्योतक था, क्योंकि — इसने देश के सामने स्वशासन (Self-government) की एक ठोस योजना रखी
- * तिलक तथा एनी बेसेंट द्वारा बनाए गए होमरूल लीगों को एक में मिला दिया गया था — 1918 में
- * होमरूल लीग के संबंध में सत्य है — सबसे पहले इसकी योजना एनी बेसेंट ने वर्ष 1914-15 में प्रस्तुत की थी; तिलक की होमरूल लीग महाराष्ट्र, कर्नाटक, मध्य प्रांत एवं बरार तक सीमित थी; तिलक द्वारा स्थापित होमरूल लीग अधिक शक्तिशाली थी
- * एनी बेसेंट, ए.ओ. ह्यूम, माइकल मधुसूदन दत्त तथा आर. पाम दत्त में से फेबियन आंदोलन का प्रस्तावक था — एनी बेसेंट
- * एनी बेसेंट के संबंध में सही कथन हैं — होमरूल आंदोलन प्रारंभ करने के लिए उत्तरदायी थीं; इंडियन नेशनल कांग्रेस की एक बार अध्यक्ष थीं

गांधी एवं उनके प्रारंभिक आंदोलन

- * करमचंद गांधी दीवान थे — पोरबंदर, राजकोट एवं बीकानेर के
- * महात्मा गांधी के पदार्पण से पूर्व भारत में राष्ट्रीय आंदोलन की दिशा को जिन अंतरराष्ट्रीय घटनाओं ने प्रभावित किया था, वह हैं — 1898 ई. के इटली-अबीसीनिया युद्ध ने; चीन के बॉक्सर आंदोलन ने; आयरलैंड के क्रांतिकारी आंदोलन ने; रूस-जापान के युद्ध में जापान की विजय ने
- * दक्षिण अफ्रीका में रहने की अवधि में महात्मा गांधी ने जिस पत्रिका का प्रकाशन किया, उसका नाम था — इंडियन ओपिनियन
- * फीनिक्स फॉर्म है — डरबन (द. अफ्रीका) में
- * एम.के. गांधी समर्थक थे — दार्शनिक अराजकतावाद के
- * गांधीजी के रामराज्य के युगल सिद्धांत थे — सत्य तथा अहिंसा

सम-सामयिक घटना बक

- * गांधीजी की दृष्टि में अहिंसा का अर्थ है
 - सत्य की प्राप्ति का रास्ता
- * गांधी के संदर्भ में बिना मार्क्सवाद के मार्क्सवादी, बिना समाजवाद के समाजवादी, बिना व्यक्तिवाद के व्यक्तिवादी तथा समाजवादियों में एक व्यक्तिवादी और समाजवादियों में एक मार्क्सवादी में से सही है
 - समाजवादियों में एक व्यक्तिवादी और समाजवादियों में एक मार्क्सवादी
- * गांधी की सत्याग्रह रणनीति में सबसे अंतिम स्थान प्राप्त है
 - हड़ताल को
- * गांधीजी के सिद्धांत के अनुसार सही है
 - सत्याग्रही का शस्त्र अहिंसा है; सत्याग्रही को अपने संकल्प में दृढ़ विश्वास होना चाहिए; सत्याग्रही को विरोधियों के प्रति द्वेष भाव नहीं रखना चाहिए
- * गांधीजी के अनुसार, हिंसा का क्रूरतम रूप है
 - गरीबी का स्थायित्व
- * गांधीजी ने परिवार नियोजन हेतु तरीका बताया
 - आत्मनियंत्रण
- * महात्मा गांधी दक्षिण अफ्रीका से भारत लौटे
 - 1915 में
- * गांधीजी दक्षिण अफ्रीका में रहे थे
 - 21 वर्ष तक
- * दक्षिण अफ्रीका के जिस रेलवे स्टेशन पर गांधी को ट्रेन से फेंका गया था
 - पीटरमारित्सबर्ग
- * एम.के. गांधी ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के जिस अधिवेशन में सर्वप्रथम भाग लिया था, वह है
 - कलकत्ता अधिवेशन, 1901 में
- * भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान महात्मा गांधी द्वारा स्थापित साबरमती आश्रम स्थित है
 - अहमदाबाद नगर के बाहर
- * महात्मा गांधी ने अहमदाबाद के निकट साबरमती के किनारे एक आश्रम बनाया था। इसे..... कहा जाता था
 - सत्याग्रह आश्रम
- * महात्मा गांधी से संबद्ध साबरमती, फीनिक्स, वर्धा तथा सदाकत आश्रमों में सबसे पुराना है
 - फीनिक्स
- * गांधीजी ने 'सेवाधर्म' अपनाया था
 - दक्षिण अफ्रीका में
- * महात्मा गांधी के राजनीतिक गुरु थे
 - गोपाल कृष्ण गोखले
- * महात्मा गांधी के अनुसार, राजनीति का तात्पर्य था
 - जनकल्याण के लिए सक्रियता
- * 'सत्याग्रह' शब्द को गढ़ा
 - महात्मा गांधी ने
- * भारत के स्वतंत्रता संघर्ष के दौरान सबसे पहले सत्याग्रह किया था
 - महात्मा गांधी ने
- * मोहनदास करमचंद गांधी सर्वाधिक जाने जाते हैं
 - भारतीय स्वतंत्रता को प्राप्त करने के लिए निष्क्रिय विरोध करने के लिए
- * "विदेशी वस्त्रों की बर्बादी ही उनके साथ सर्वोत्तम व्यवहार है।" कहा था
 - महात्मा गांधी ने
- * ब्रिटिश निर्मित उत्पादों का गांधी का बहिष्कार प्रभावी हुआ क्योंकि ब्रिटेन भारत को एक बड़ा
 - निर्मित वस्तुओं का बाजार समझता था
- * महात्मा गांधी के राजनीतिक जीवन की घटनाओं का कालक्रम है
 - चंपारन → अहमदाबाद मिल हड़ताल → खेड़ा-असहयोग आंदोलन
- * महात्मा गांधी के बारे में सही हैं
 - उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा राजकोट में प्राप्त की थी, कस्तूरबा के साथ उनका विवाह 13 वर्ष की आयु में हुआ था, उन्होंने विधि का अध्ययन द इनर टेम्पुल, लंदन में किया था, वे रस्किन की पुस्तक अनटू दिस लास्ट से सर्वाधिक प्रभावित हुए थे
- * महात्मा गांधी ने कहा था कि उनकी कुछ सबसे गहन धारणाएं "अनटू दिस लास्ट" नामक पुस्तक में प्रतिबिंबित होती हैं और इस पुस्तक ने उनके जीवन को बदल डाला। इस पुस्तक का वह संदेश जिसने महात्मा गांधी को बदल डाला
 - व्यक्ति का कल्याण सब के कल्याण में निहित है
- * गांधीवादी विचारधारा प्रभावित रही है
 - रस्किन, थोरो एवं टाल्स्टॉय से
- * स्वदेशी आंदोलन, खिलाफत आंदोलन, वैयक्तिक सत्याग्रह आंदोलन तथा भारत छोड़ो आंदोलन में से जिस आंदोलन से गांधीजी संबंधित नहीं थे
 - स्वदेशी आंदोलन से
- * भारत छोड़ो आंदोलन, सविनय अवज्ञा, बारदोली एवं खेड़ा सत्याग्रहों में से जिसका नेतृत्व महात्मा गांधी ने नहीं किया था
 - बारदोली सत्याग्रह का
- * गांधी के संदर्भ में सही है-
 - जातिविहीन अछूतों की दशा में सुधार के लिए कठोर संघर्ष किया; असहयोग आंदोलन शुरू किया; सविनय अवज्ञा आंदोलन शुरू किया
- * महात्मा गांधी को सर्वप्रथम 'राष्ट्रपिता' कहा था
 - सुभाष चंद्र बोस ने
- * गांधी के नाम के पहले 'महात्मा' जोड़ा गया
 - चंपारन सत्याग्रह के दौरान
- * गांधीजी को सर्वप्रथम 'महात्मा' के तौर पर संबोधित किया था
 - रबींद्रनाथ टैगोर ने
- * नोआखाली काल में महात्मा गांधी के सचिव थे
 - प्यारे लाल
- * राजकोट सत्याग्रह, खेड़ा सत्याग्रह, वायकोम सत्याग्रह तथा असहयोग आंदोलन में से जिस सत्याग्रह आंदोलन में गांधीजी ने प्रत्यक्ष रूप से भाग नहीं लिया
 - वायकोम सत्याग्रह
- * महात्मा गांधी का छत्तीसगढ़ में प्रथम आगमन हुआ था
 - 20 दिसंबर, 1920 को
- * गांधी के अनुयायियों ए.एन.सिन्हा, बृज किशोर प्रसाद, जे.बी.कृपलानी एवं राजेंद्र प्रसाद में से वह जो पेशे से एक शिक्षक था
 - राजेंद्र प्रसाद
- * जी.डी. बिड़ला, जमनालाल बजाज, जे.आर.डी. टाटा एवं बालचंद्र हीराचंद उद्योगपतियों में से वह व्यक्ति जो लंबे समय तक ए.आई.सी.सी. के खजांची रहे तथा वर्ष 1930 में जेल भी गए
 - जमनालाल बजाज

सम-सामयिक घटना चक्र

- * "भारतीय कपड़ा व्यापारी, बैंकर, कांग्रेसी तथा महात्मा गांधी का निकट सहयोगी है," यह विवरण है — जमनालाल बजाज का
- * स्वाधीनता आंदोलन के दौरान महात्मा गांधी के करीबी अंग्रेज मित्र थे — रेवरेंड चार्ली एन्ड्रूज
- * वह कारागार जिसे गांधीजी ने 'मंदिर' का नाम दिया था — यरवदा
- * भारत की स्वाधीनता के समय महात्मा गांधी — कांग्रेस के सदस्य नहीं थे
- * गांधीजी की मृत्यु पर जिसने कहा था "हमारे जीवन से प्रकाश चला गया है" — जवाहरलाल नेहरू ने
- * गांधीजी को 'वन मैन बाउंड्री फोर्स' कहकर संबोधित किया — मार्सेटबेटन ने
- * जिसने महात्मा गांधी को आदेशित किया था कि वह भारत में प्रथम वर्ष 'खुले कान पर मुंह बंद कर' व्यतीत करें — गोपाल कृष्ण गोखले ने
- * भारतीय राजनीति में प्रवेश के पूर्व एक वर्ष तक देश में पर्यवेक्षक एवं विद्यार्थी के रूप में रहने की सलाह गांधीजी को दी थी — गोपाल कृष्ण गोखले ने
- * "गलत साधन हमें कभी भी सही उद्देश्य तक नहीं ले जाते हैं" यह कहा करते थे — एम.के. गांधी
- * "जो नैतिक दृष्टिकोण से गलत है, वह राजनीति दृष्टिकोण से कभी सही नहीं हो सकता है" इस सिद्धांत के प्रबल समर्थक थे — एम.के. गांधी
- * गांधीजी ने अपना पहला सत्याग्रह आरंभ किया — मजदूरों को कम वेतन दिए जाने के विरुद्ध
- * वह आंदोलन जिसमें महात्मा गांधी ने पहली बार भूख हड़ताल का प्रयोग हथियार के रूप में किया था — अहमदाबाद की हड़ताल
- * महात्मा गांधी ने भारत में अपना पहला जनभाषण दिया था — वाराणसी में
- * गांधीजी ने बंधुआ मजदूरों को मुक्त कराने का प्रथम अभियान आरंभ किया था — चंपारन से
- * 1917-18 में अहमदाबाद में गांधीजी द्वारा चलाए गए सत्याग्रह में हिस्सा लिया था — मजदूर वर्ग ने
- * महात्मा गांधी का वह संघर्ष जो औद्योगिक श्रमिकों से संबंधित था — अहमदाबाद संघर्ष
- * अहमदाबाद सत्याग्रह आरंभ किया गया था — सूती मिल कामगारों के लिए
- * गांधीजी के ट्रस्टीशिप के सिद्धांत के प्रतिपाद्य के संबंध में सही युग्म है — दक्षिण अफ्रीका-1903
- * गांधीवादी अर्थव्यवस्था के विषय में सही कथन है-
— वे अहिंसा पर आधारित अर्थव्यवस्था पर बल देते थे; केंद्रीकरण शोषण और असमानता को जन्म देता है; अतएव अहिंसक सामाजिक संरचना केंद्रीकरण विरोधी है; वे भारत में मशीनीकरण के पक्षधर नहीं थे
- * एम.के. गांधी के अनुसार, अस्मृष्टों का सामाजिक-आर्थिक सुधार संपन्न किया जा सकता है — उनके लिए कुटीर उद्योग स्थापित करके
- * 'गांधियन इनोवेशन' (गांधीजी का नवाचार) का तात्पर्य है — कम निवेश से अधिक उत्पादन अधिक लोगों के लिए
- * खेड़ा सत्याग्रह, सविनय अवज्ञा आंदोलन, असहयोग आंदोलन तथा चंपारन सत्याग्रह में से वह घटना जो सबसे पहले हुई — चंपारन सत्याग्रह
- * चंपारन में 'तिनकटिया प्रथा' का तात्पर्य था — 3/20 भूभाग पर नील की खेती करना
- * गांधीजी ने भारत में पहली बार सत्याग्रह आंदोलन बिहार में प्रारंभ किया — चंपारन से
- * गांधीजी का चंपारन आंदोलन था — नील कर्मियों की समस्याओं के समाधान हेतु
- * सही कथन है-
— चंपारन जांच में आचार्य जे.बी. कृपलानी महात्मा गांधी के सहयोगियों में से एक थे।
- * चंपारन संघर्ष में जिन्होंने महात्मा गांधी का साथ दिया था, वे थे — राजेंद्र प्रसाद और अनुग्रह नारायण सिन्हा
- * महात्मा गांधी के चंपारन सत्याग्रह से संबद्ध हैं — राजकुमार शुक्ल
- * चंपारन आंदोलन से संबंधित थे — राजेंद्र प्रसाद, अनुग्रह नारायण सिन्हा, जे.बी. कृपलानी
- * दक्षिण अफ्रीका से लौटने के पश्चात, गांधीजी ने प्रथम सफल सत्याग्रह (Satyagraha) आरंभ किया — चंपारन में
- * महात्मा गांधी ने सर्वप्रथम जिस किसान आंदोलन में भाग लिया, वह है — चंपारन
- * नील की खेती के संबंध में चंपारन में महात्मा गांधी को आमंत्रित किया था — राजकुमार शुक्ल ने
- * चंपारन सत्याग्रह के संबंध में सही है-
— यह किसानों से जुड़ा था; इसे 'तिनकटिया प्रथा' के विरुद्ध संचालित किया गया था; डॉ. राजेंद्र प्रसाद तथा जे.बी. कृपलानी ने इसमें एम.के. गांधी को सहयोग दिया था
- * चंपारन नील आंदोलन के राष्ट्रीय नेता थे — महात्मा गांधी
- * महात्मा गांधी के चंपारन सत्याग्रह का विरोध किया था — एन.जी. रंगा ने
- * खेड़ा के किसानों के पक्ष में महात्मा गांधी के सत्याग्रह संघटित करने का कारण था — अकाल पड़ने के बावजूद प्रशासन ने भू-राजस्व की उगाही स्थगित नहीं की थी

किसान आंदोलन एवं किसान सभा

- * भारतवर्ष का सर्वप्रथम किसान आंदोलन था — बिजौलिया आंदोलन
- * इंद्र नारायण द्विवेदी, गौरी शंकर मिश्र, जवाहरलाल नेहरू एवं मदन मोहन मालवीय में से फरवरी, 1918 में स्थापित यू.पी. किसान सभा की स्थापना से संबद्ध नहीं था — जवाहरलाल नेहरू
- * 'नार्ड-धोबी बंद' सामाजिक बायकाट का एक स्वरूप था जो 1919 में — किसानों द्वारा प्रतापगढ़ जिले में चलाया गया था
- * वह प्रदेश जहां बाबा रामचंद्र ने किसानों को संगठित किया — अवध
- * 1930 के दशक में देश के विभिन्न भागों के भिन्न-भिन्न नेताओं द्वारा किसान आंदोलन चलाए गए थे। उनके प्रभाव क्षेत्रों से सही सुमेलित है—

सहजानंद सरस्वती	—	बिहार
खुदाई खिदमतगार	—	एन.डब्ल्यू. एफ.पी.
स्वामी रामानंद	—	हैदराबाद
अब्दुल हमीद खां	—	दक्षिणी असम
- * 1930 के दशक में किसान सभा आंदोलन से सक्रिय रूप से जुड़े थे — स्वामी सहजानंद
- * अवध के एका आंदोलन का उद्देश्य था — लगान का नकद में परिवर्तन
- * अखिल भारतीय किसान सभा के प्रथम सत्र की अध्यक्षता की — स्वामी सहजानंद सरस्वती ने
- * वह जगह, जहां अखिल भारतीय किसान सभा का पहला अधिवेशन हुआ था — लखनऊ
- * अखिल भारतीय किसान सभा के संस्थापक अध्यक्ष थे — स्वामी सहजानंद सरस्वती
- * स्वामी सहजानंद का संबंध था — बिहार के किसान आंदोलनों के साथ
- * स्वामी सहजानंद सरस्वती ने 'भूमि और जलमार्ग के राष्ट्रीयकरण' की मांग के साथ अखिल भारतीय संयुक्त किसान सभा गठन किया — उनकी मृत्यु से ठीक पहले
- * राजेंद्र प्रसाद, सी.आर. दास, मोतीलाल नेहरू तथा भगत सिंह में से बिहार में किसान आंदोलन के साथ जुड़े थे — राजेंद्र प्रसाद
- * सही सुमेलित है—

सूची-I		सूची-II
बारदोली सत्याग्रह	—	सरदार वल्लभभाई पटेल
भारतीय किसान विद्यालय	—	एन.जी. रंगा
बंगाल प्रजा पार्टी	—	फजलुल हक
बाकाशत संघर्ष	—	स्वामी श्रद्धानंद सरस्वती

- * बंगाल के तिभागा किसान आंदोलन की मांग थी — जमींदारों की हिस्सेदारी को फसल के आधे भाग से कम करके एक-तिहाई करना
- * बारदोली सत्याग्रह (1928) का नेतृत्व किया — सरदार वल्लभभाई पटेल ने
- * महात्मा गांधी ने वल्लभभाई पटेल को 'सरदार' की उपाधि उनकी बड़ी संगठन क्षमता के कारण जिस आंदोलन में दी थी — बारदोली सत्याग्रह में
- * भूदान आंदोलन प्रारंभ किया — विनोबा भावे ने
- * आचार्य विनोबा भावे के भूदान आंदोलन के प्रारंभ से संबद्ध स्थान था — पोचमपल्ली
- * भूदान आंदोलन सर्वप्रथम प्रारंभ हुआ था — आंध्र प्रदेश राज्य में

ट्रेड यूनियन एवं साम्यवादी दल

- * भारत में 1918 में प्रथम मजदूर संघ की स्थापना की — वी.पी. वाडिया ने
- * अहमदाबाद टेक्सटाइल लेबर एसोसिएशन की स्थापना की — महात्मा गांधी ने
- * अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस के 1920 में बंबई में हुए प्रथम अधिवेशन की अध्यक्षता की थी — लाला लाजपत राय ने
- * 1929 में नागपुर में संपन्न 'ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस' की अध्यक्षता की थी — जवाहरलाल नेहरू ने
- * कम्युनिस्ट इंटरनेशनल का सदस्य बनने वाला पहला भारतीय था — एम. एन. राय
- * अक्टूबर, 1920 में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की स्थापना के लिए ताशकंद में एकत्र हुए भारतीयों के समूह के मुखिया थे — एम.एन. राय
- * कानपुर षड्यंत्र मुकदमा जिस आंदोलन के नेताओं के विरुद्ध था, वह था — साम्यवादी आंदोलन
- * ट्रेड यूनियन आंदोलन के क्रांतिकारी चरण का समय था — 1926-39
- * 1940 में रेडिकल डेमोक्रेटिक पार्टी का गठन किया— एम.एन. राय ने
- * सौम्येंद्रनाथ टैगोर द्वारा स्थापित दल का नाम है — क्रांतिकारी साम्यवादी दल

रौलेट एक्ट और जलियांवाला बाग हत्याकांड (1919)

- * भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दौरान, रौलेट एक्ट ने जिस कारण से सार्वजनिक रोष उत्पन्न किया, वह है — इसने लोगों को बिना मुकदमा चलाए जेल भेजने के लिए अधिकृत किया

सम-सामयिक घटना चक्र

- * रौलेट एक्ट लाने का प्रयोजन था
 - राष्ट्रीय एवं क्रांतिकारी गतिविधियों पर रोक लगाना
- * रौलेट एक्ट भारत में लागू किया गया था — वर्ष 1919 में
- * रौलेट एक्ट का लक्ष्य था
 - बिना मुकदमा चलाए बंदी बनाना और मुकदमों की सुनवाई संक्षिप्त प्रक्रिया द्वारा
- * रौलेट सत्याग्रह के संदर्भ में सही कथन हैं-
 - रौलेट अधिनियम, 'सेडिशन कमेटी' की सिफारिश पर आधारित था; रौलेट सत्याग्रह में, गांधीजी ने होमरूल लीग का उपयोग करने का प्रयास किया।
- * जब रौलेट एक्ट पारित हुआ था, उस समय भारत का वायसराय था
 - लॉर्ड चेम्सफोर्ड
- * रौलेट एक्ट का भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने विरोध किया, क्योंकि इसका लक्ष्य था
 - वैयक्तिक स्वतंत्रता को सीमित करना
- * अखिल भारतीय राजनीति में गांधी का पहला साहसिक कदम था
 - रौलेट सत्याग्रह
- * रौलेट एक्ट के विरोध में लगान न देने का आंदोलन चलाने का सुझाव दिया था
 - स्वामी श्रद्धानंद ने
- * द अनार्किंकल एंड रिवोल्यूशनरी क्राइम एक्ट, 1919 को सामान्य बोलचाल में कहा जाता था
 - रौलेट एक्ट
- * वह महत्वपूर्ण घटना जो जलियांवाला बाग नरसंहार के तुरंत पूर्व घटी थी
 - रौलेट एक्ट का बनना
- * जलियांवाला बाग हत्याकांड हुआ
 - 13 अप्रैल, 1919 को
- * जलियांवाला बाग कत्लेआम हुआ
 - अमृतसर में
- * काफी संख्या में लोग अमृतसर के जलियांवाला बाग में 13 अप्रैल, 1919 को एकत्रित हुए थे
 - डॉ. सैफुद्दीन किचलू और डॉ. सत्यपाल की गिरफ्तारी के विरोध में
- * 30 मई, 1919 को अपना अलंकरण (Honour) भारत सरकार को लौटाने वाले व्यक्ति थे
 - रबींद्रनाथ टैगोर
- * वह जिसके विरोध में रबींद्रनाथ टैगोर ने अपनी 'नाइटहुड' का परित्याग कर दिया था
 - जलियांवाला बाग जनसंहार के
- * जलियांवाला बाग हत्याकांड के विरोध में वायसराय की कार्यकारिणी परिषद की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया
 - शंकरन नायर ने
- * जलियांवाला बाग नरसंहार, डॉ. सत्यपाल का बंदी बनाया जाना तथा वर्ष 1919 का अमृतसर कांग्रेस का अधिवेशन घटनाओं का सही क्रम है
 - डॉ. सत्यपाल का बंदी बनाया जाना, जलियांवाला बाग नरसंहार, 1919 का अमृतसर कांग्रेस का अधिवेशन
- * हंटर आयोग की नियुक्ति की गई थी
 - जलियांवाला बाग हत्याकांड के बाद
- * जनरल डायर का नाम जुड़ा हुआ है
 - जलियांवाला बाग की घटना से

- * जलियांवाला बाग हत्याकांड के लिए जिम्मेदार औ' डायर को मार डाला था
 - ऊधम सिंह ने
- * जलियांवाला बाग नरसंहार पर कांग्रेस जांच समिति की रिपोर्ट के प्रारूप लिखने का कार्य सौंपा गया था
 - महात्मा गांधी को
- * वर्ष 1919 में जघन्य जलियांवाला बाग कांड के समय भारत का वायसराय था
 - लॉर्ड चेम्सफोर्ड
- * वह घटना जिसे मांटैग्यू ने 'निवारक हत्या' के नाम से विशेषीकृत किया है
 - जलियांवाला बाग का नरसंहार
- * वह एक्ट जिसके कारण सार्वजनिक रोष की लहर उभरी फलस्वरूप जलियांवाला बाग में ब्रिटिश द्वारा जनसंहार की घटना घटी
 - दि रौलेट एक्ट

खिलाफत आंदोलन

- * खिलाफत आंदोलन का प्रारंभ किया था
 - शौकत अली, मुहम्मद अली ने
- * 'खिलाफत आंदोलन' के प्रमुख नेताओं में से थे
 - मौलाना मोहम्मद अली और शौकत अली
- * खिलाफत आंदोलन के मुख्य उद्देश्य थे
 - भारत के मुसलमानों में ब्रिटिश विरोधी भावना उत्पन्न करना, ऑटोमन साम्राज्य की रक्षा और खिलाफत का रक्षण
- * वर्ष 1919 में अखिल भारतीय खिलाफत सम्मेलन का अध्यक्ष चुना गया
 - महात्मा गांधी को
- * महात्मा गांधी ने खिलाफत आंदोलन का समर्थन किया
 - गांधीजी ने अंग्रेजों के खिलाफ अपने आंदोलन में भारतीय मुसलमानों का सहयोग प्राप्त करना चाहा था
- * वह जिसने खिलाफत आंदोलन को 'हिंदुओं और मुसलमानों की एकता के एक ऐसे अवसर' के रूप में देखा जो सौ वर्षों में भी पुनः प्रस्तुत नहीं होगा
 - महात्मा गांधी ने
- * खिलाफत आंदोलन के दौरान हाज़िक्-उल-मुल्क की पदवी त्याग दी थी
 - हकीम अजमल खां ने
- * वह जिसने गांधीजी को सावधान किया था कि मुस्लिम धार्मिक नेताओं और उनके अनुयायियों के कट्टरपन को प्रोत्साहित न करें
 - मुहम्मद अली जिन्ना ने
- * मुहम्मद अली, शौकत अली, अबुल कलाम आजाद तथा एम. ए. जिन्ना में से महात्मा गांधी की खिलाफत आंदोलन में भागीदारी की भर्त्सना की थी
 - एम.ए. जिन्ना ने
- * खिलाफत आंदोलन का परिणाम था
 - हिंदू-मुस्लिम मतभेदों में कमी आई
- * वह व्यक्ति जिसने 4 अप्रैल, 1919 को दिल्ली की जामा मस्जिद के प्रवचन मंच से हिंदू-मुस्लिम एकता पर भाषण दिया
 - स्वामी श्रद्धानंद